RNI NO PUNBIL/2014/59416
UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

The Good, Bad and Ugly of India

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

गुस्ताखी माफ

बात आपकी मित्रवर, सोलह आने ठीक।
पेपर ठोस बनाइये, कैसे होगा लीक।
कैसे होगा लीक, ठोस यदि होगा पर्चा।
सॉलिड इसको रखें, भले हो कितना खर्चा।
कह साहिल कविराय, कौन माने ना माने।
बात आपकी ठीक, मित्रवर सोलह आने।

- डॉ. राजेन्द्र साहिल

VOL: 11 | ISSUE 201 | WEDNESDAY 29-07-2026 | RS-03 | PAGE-12 | PUBLISHED BY: LUDHIANA | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

राशन कार्ड स्कीम से डिपो होल्डरों के कारनामे उजागर

लोगों द्वारा सालों पहले कटवाए नाम पर आज भी सरकार से डिपो होल्डर ले रहे अनाज, सेंटरों ने बढ़ाया फॉर्म प्रोसेसिंग रेट

राजदीप सिंह सैनी

लुधियाना/यूटर्न/28 जुलाई। पंजाब सरकार की और से हाल ही में राशन कार्ड स्कीम शुरू की गई है। जिसके तहत लोगों के नए राशन कार्ड बनाए जा रहे हैं, जबकि पुराने कार्डों में नाम शामिल करने और कटवाने की प्रक्रिया भी चल रही है।

इस योजना से जहां एक तरफ लोगों को फायदा मिलेगा, वहीं दूसरी तरफ डिपो होल्डरों के कारनामे भी उजागर होने शुरू हो चुके हैं। दरअसल, लुधियाना के कुछ डिपो होल्डरों द्वारा कई लोगों के जुबानी तौर पर कार्ड से नाम काट दिए गए, जिसके बाद सालों से उन लोगों के नाम पर सरकार से अनाज व राशन लेते रहे। अब जब वे लोग नए राशन कार्ड बनवाने के लिए गए तो पता चला कि उनके नाम ही नहीं काटे गए। जबकि सरकार द्वारा उनके नाम से अनाज भेजा जा रहा है। हैरानी की बात तो यह है कि सरकार के ही डिपो के जरिए सरकार को ही चूना लगाया जा रहा है। यह कारनामे ज्यादातर ढोलेवाल, मोती नगर की भगत सिंह कॉलोनी, शेरपुर में देखने को मिल रहे हैं। अब देखना होगा कि इस मामले संबंधी डीएफएससी (जिला फूड एंड सप्लाइज कंट्रोलर) द्वारा क्या कार्रवाई की जाती है।

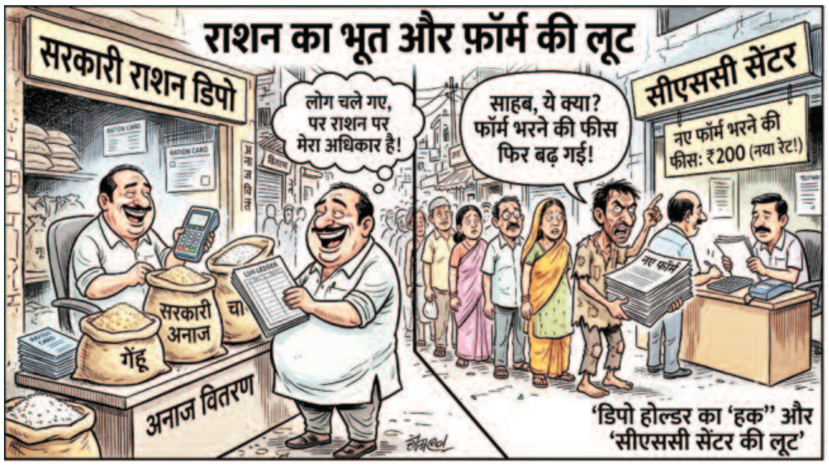

शादी के बाद मायके घर से कटवाए थे नाम

चर्चा है कि कई लड़कियों के मायके परिवार ने राशन कार्ड बनवाए थे। शादी होने के बाद वे ससुराल घर चली गई। जिसके चलते लोगों द्वारा मायके परिवार के राशन कार्ड से अपने नाम कटवा दिए। इसके लिए डिपो होल्डर्स को कहा गया था। आगे से उन्होंने भी नाम काट देने का दावा किया। उनकी बातें मानकर लोग शांत बैठ गए। लेकिन अब जब लड़कियों के ससुराल परिवार राशन कार्ड बनवाने गए तो पता चला कि उनका नाम तो काटा ही नहीं है। वहीं कई लोग ऐसे हैं, जिनके राशन कार्ड में मेंबर 4 है, जबकि डिपो होल्डर द्वारा तीन का अनाज आने की बात कही जाती है। जबकि एक मेंबर का अनाज वे खुद हजम कर रहे हैं।

सीएससी केंद्रों ने भी बढ़ाई फीस

चर्चा है कि राशन कॉर्ड के लिए लोग खुद जिला फूड सप्लाई ऑफिस जाकर फॉर्म जमा करवा सकते हैं। वहीं सीएससी सेंटर या सेवा केंद्र से फॉर्म भरवाने पर 100 रुपए प्रोसेसिंग फीस है। कई जगह सीएससी सेंटरों पर 200 रुपए फीस ली जा रही है। जिसमें 100 रुपए सरकार के और 100 रुपए सेंटर वाले के हैं। इसके अलावा अगर किसी का बिजली बिल प्रिंट निकालना है तो उसके लिए 100 रुपए अलग से देने होंगे। सेंटर मालिकों ने सरकार की सुविधा में अपनी जेब भी भरनी शुरू कर दी है। यह हालात अभी ढोलेवाल में देखने को मिले हैं।

चार साल पहले डिपो होल्डर ने कहा नाम काट दिया है

वहीं ढोलेवाल की रहने वाली मनप्रीत कौर ने बताया कि उनके मायके घर मोती नगर की भगत सिंह कॉलोनी में है। वहां चार मेंबर्स का कॉर्ड बना था। 4 साल पहले शादी हुई। जिसके चलते मायके वाले नाम काटने की प्रक्रिया पूछने डिपो होल्डर के पास गए। होल्डर ने कहा कि वह खुद ही काट देगा। दो दिन बाद दोबारा जाने पर उसने नाम काट देने की बात कही। लेकिन आज चार साल बाद जब ससुराल घर में नया राशन कॉर्ड बनवाने लगे तो पता चला कि पहले ही नाम ही नहीं काटा हुआ। जबकि डिपो होल्डर सिर्फ तीन मेंबर्स का अनाज दे रहा है।

डिपो होल्डर्स की गलती से परेशान हो रहे लोग

लोगों को नाम काटने की पूरी प्रक्रिया न पता होने के चलते कुछ डिपो होल्डर्स द्वारा इसका जमकर फायदा उठाया गया। लेकिन आज उनके इस झूठ के कारण आम जनता परेशान हो रही है। क्योंकि सरकार ने 12 अगस्त कॉर्ड बनवाने की आखिरी तारीख तय की है। लेकिन अब पहले नाम काटा जाएगा और फिर नया अप्लाई होगा। नाम काटने के लिए भी लेटर लिखकर संबंधित ऑफिस से डायरी नंबर लगवाकर इंस्पेक्टर को देना पड़ता है। कई इंस्पेक्टरों की आईडी नहीं वर्क कर रही। ऐसे में इस प्रोसेस में ही 10-15 दिन लग जाएंगे, तो लोग कहां से कार्ड बनवा सकेंगे।

लुधियाना में होगा पंजाब का सबसे बड़ा 'यंग एंटरप्रेन्योर अवॉर्ड्स-2026', राज्यपाल-प्रशासक गुलाब चंद कटारिया को मुख्य अतिथि बनने का निमंत्रण

चंडीगढ़/यूटर्न/28 जुलाई। पंजाब के लुधियाना में अगस्त माह में आयोजित होने जा रहे 'यंग एंटरप्रेन्योर अवॉर्ड्स-2026' को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। इस प्रतिष्ठित आयोजन के लिए पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। इसी सिलसिले में यू-टर्न अखबार के एडिटर संदीप शर्मा, क्राइम रिपोर्टर अजीत कुमार झा और राजस्थान परिवार सेवा संस्था के चेयरमैन पवन शर्मा ने राजभवन में उनसे शिष्टाचार भेंट की। प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल को आयोजन की विस्तृत रूपरेखा से अवगत कराते हुए बताया कि 'यंग एंटरप्रेन्योर अवॉर्ड्स-2026' का उद्देश्य पंजाब के युवा उद्यमियों, स्टार्टअप संस्थापकों और नवाचार के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रहे युवाओं को सम्मानित करना है। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि यह आयोजन युवाओं में उद्यमिता की भावना को बढ़ावा देने और उन्हें आत्मनिर्भर भारत के विजन से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल होगी। मुलाकात के दौरान राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने यू-टर्न अखबार की जनहित और निष्पक्ष पत्रकारिता की सराहना की। उन्होंने कहा कि मीडिया लोकतंत्र का एक मजबूत स्तंभ है और पत्रकारों की जिम्मेदारी केवल समाचार प्रकाशित करना नहीं, बल्कि समाज और आम लोगों की आवाज को निष्पक्ष, तथ्यपरक और निर्भीकता से शासन-प्रशासन तक पहुंचाना भी है। उन्होंने प्रतिनिधिमंडल को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि जनहित के मुद्दों को इसी तरह मजबूती और बेबाकी से उठाते रहें। प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल को बताया कि यह समारोह केवल पुरस्कार वितरण तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि युवाओं को उद्योग, नवाचार, स्टार्टअप और स्वरोजगार के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने का भी मंच बनेगा।

शब्दों की ताकत से बनाई अपनी पहचान, लेखन और डिजाइनिंग दोनों में अलग मुकाम: चारू नागपाल

शब्दों की अपनी एक दुनिया होती है। एक ही शब्द किसी के लिए प्रेरणा बन सकता है तो किसी के लिए सवाल। सही समय पर सही शब्दों का चयन ही एक लेखक की सबसे बड़ी ताकत होता है। आज हमारी खास मेहमान हैं लेखिका, संपादक, डिजाइनर, गृहिणी और मां चारू नागपाल, जिन्होंने अपनी लेखनी से समाज के कई पहलुओं को उजागर किया और डिजाइनिंग की दुनिया में भी अपनी अलग पहचान बनाई। आइए जानते हैं उनके जीवन के सफर, संघर्ष और सफलता की कहानी, उन्हीं की जुबानी।

चारू जी, आप एक लेखिका, डिजाइनर, गृहिणी और मां—एक साथ कई भूमिकाएं निभा रही हैं। सबसे पहले जानना चाहेंगे कि लेखन की शुरूआत कैसे हुई?

लेखन मेरे लिए कभी कोई योजना नहीं था। यह मेरे भीतर की भावनाओं का स्वाभाविक प्रवाह था। बचपन से मैं बहुत भावुक थी। छोटी-छोटी घटनाएं भी मुझे भीतर तक प्रभावित करती थीं। आठवीं कक्षा में एक घटना हुई जिसने मेरी जिंदगी बदल दी। मेरी क्लास टीचर ने परीक्षा के दौरान मेरी उत्तर-पुस्तिका किसी रिश्तेदार को दिखा दी। मुझे बहुत दुख हुआ। घर जाकर मैं खूब रोई। मेरी मां ने कहा कि जो महसूस कर रही हो, उसे लिख दो। उसी दिन मैंने पहली बार अपनी भावनाओं को कहानी का रूप दिया और वहीं से मेरी लेखनी का सफर शुरू हो गया। बाद में मैं अपने आसपास की घटनाओं, लोगों के संघर्ष और रिश्तों की भावनाओं को कहानियों में ढालने लगी।

आज सोशल मीडिया का दौर है। ब्लॉग, फेसबुक, इंस्टाग्राम और यूट्यूब पर हर कोई लिख रहा है। ऐसे में अखबार के लिए लिखने और सोशल मीडिया पर लिखने में क्या अंतर है?

बहुत बड़ा अंतर है। अखबार में लिखा गया हर शब्द आपकी जिम्मेदारी होता है। वह हमेशा के लिए रिकॉर्ड बन जाता है। वहां गलती की गुंजाइश बहुत कम होती है। इसलिए हर शब्द सोच-समझकर लिखना पड़ता है। जबकि सोशल मीडिया पर आप पोस्ट बदल सकते हैं, हटा सकते हैं या एडिट कर सकते हैं। वहां जवाबदेही का स्तर अलग है। मेरे लिए अखबार में लिखना हमेशा ज्यादा जिम्मेदारी वाला काम रहा है।

आपने लंबे समय तक लेखन किया और बाद में संपादन से भी जुड़ीं। क्या आपको लगता है कि समय के साथ लेखन बदल गया?

बिल्कुल। शुरूआत में लेखन सिर्फ भावनाओं से निकलता था, लेकिन अनुभव के साथ जिम्मेदारी भी जुड़ जाती है। पहले मैं सिर्फ अपनी बात कहती थी, लेकिन अब सोचती हूं कि हर शब्द का प्रभाव क्या होगा। मुझे लगता है कि सबसे ज्यादा सुधार वही व्यक्ति कर सकता है जो दूसरों की नहीं, अपनी कमियों को पहचानता है। आज भी मैं अपनी हर रचना पढ़कर सोचती हूं कि इसे और बेहतर कैसे बनाया जा सकता है।

अक्सर कहा जाता है कि एक ही बात को लोग अलग-अलग तरीके से समझते हैं। क्या आपके साथ भी ऐसा हुआ?

जी हां, कई बार हुआ। एक बार मैंने आवारा कुत्तों की समस्या पर लेख लिखा था। मेरा उद्देश्य किसी का अपमान करना नहीं था। मैं सिर्फ यह कहना चाहती थी कि जैसे हम पशुओं के प्रति संवेदनशील हैं, वैसे ही हमें जरूरतमंद इंसानों की भी मदद करनी चाहिए। बहुत लोगों ने मेरी बात को समझा, लेकिन कुछ लोगों ने उसका बिल्कुल अलग अर्थ निकाल लिया। उस समय मैं काफी परेशान हुई। बाद में वृंदावन में प्रेमानंद महाराज जी से मिली। मैंने उनसे यही सवाल पूछा कि जब लोग गलत समझते हैं तो क्या करना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि आपकी नीयत साफ है तो लोगों की बातों से डरना नहीं चाहिए। उस दिन के बाद मैंने आलोचनाओं की चिंता छोड़ दी और सच्चाई लिखना जारी रखा।

अक्सर कहा जाता है कि एक ही बात को लोग अलग-अलग तरीके से समझते हैं। क्या आपके साथ भी ऐसा हुआ?

जी हां, कई बार हुआ। एक बार मैंने आवारा कुत्तों की समस्या पर लेख लिखा था। मेरा उद्देश्य किसी का अपमान करना नहीं था। मैं सिर्फ यह कहना चाहती थी कि जैसे हम पशुओं के प्रति संवेदनशील हैं, वैसे ही हमें जरूरतमंद इंसानों की भी मदद करनी चाहिए। बहुत लोगों ने मेरी बात को समझा, लेकिन कुछ लोगों ने उसका बिल्कुल अलग अर्थ निकाल लिया। उस समय मैं काफी परेशान हुई। बाद में वृंदावन में प्रेमानंद महाराज जी से मिली। मैंने उनसे यही सवाल पूछा कि जब लोग गलत समझते हैं तो क्या करना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि आपकी नीयत साफ है तो लोगों की बातों से डरना नहीं चाहिए। उस दिन के बाद मैंने आलोचनाओं की चिंता छोड़ दी और सच्चाई लिखना जारी रखा।

आपने पांच किताबें भी लिखी हैं। इनके बारे में बताइए।

मेरी सभी किताबें समाज, जीवन और आध्यात्मिक अनुभवों से जुड़ी हैं। मुझे समाज में जो भी गलत लगता है, मैं उसे कहानी, कविता या पुस्तक के माध्यम से सामने लाने की कोशिश करती हूं। वृंदावन के प्रेमानंद महाराज जी से मैं बहुत प्रभावित हूं। उन पर लिखी गई मेरी पुस्तक को लोगों का बहुत प्यार मिला। अब तक मेरी पांच पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं और आगे भी लिखना जारी रहेगा।

आपने कई वर्षों तक संपादन भी किया। उस अनुभव ने आपको क्या सिखाया?

संपादन ने मुझे धैर्य और अनुशासन सिखाया। एक संपादक सिर्फ भाषा नहीं देखता, बल्कि यह भी देखता है कि पाठक उस बात को किस तरह समझेगा। संपादन ने मुझे कम शब्दों में प्रभावशाली बात कहना सिखाया और भाषा पर पकड़ मजबूत की।

लेखन से डिजाइनिंग तक का सफर कैसे शुरू हुआ?

शादी के बाद मेरे पति ने कहा कि लुधियाना के होजरी उद्योग में अच्छे डिजाइनरों की बहुत जरूरत है। उन्होंने मुझे डिजाइनिंग सीखने के लिए प्रेरित किया। सच कहूं तो पहले मेरी इसमें कोई रुचि नहीं थी। मैं सामान्य तरीके से कपड़े पहनती थी और फैशन के बारे में ज्यादा नहीं सोचती थी। लेकिन मैंने डिजाइनिंग सीखी, अच्छे अंक हासिल किए और फिर अपने पति के साथ फैक्ट्री में काम शुरू किया। उसके बाद पीछे मुड़कर देखने का मौका ही नहीं मिला। आज डिजाइनिंग भी मेरे लिए उतना ही बड़ा जुनून है जितना लेखन।

बदलते फैशन ट्रेंड के साथ खुद को कैसे अपडेट रखती हैं?

- शुरूआत में मैं किताबों के हिसाब से सोचती थी, लेकिन मेरे पति ने समझाया कि बाजार किताबों से नहीं चलता। धीरे-धीरे मैंने बाजार को पढ़ना शुरू किया। कौन-सा रंग चल रहा है, कौन-सा डिजाइन अब पुराना हो गया है, ग्राहकों की पसंद कैसे बदल रही है और अगले सीजन में क्या नया आ सकता है—मैं लगातार इन सभी बातों पर नजर रखती हूं। मेरा मानना है कि हर डिजाइनर को बाजार की नब्ज समझनी चाहिए।

परिवार, लेखन और डिजाइनिंग—इन तीनों के बीच संतुलन कैसे बना लेती हैं?

- अगर आप किसी काम को बोझ समझकर करेंगे तो वह मुश्किल लगेगा। लेकिन अगर वही काम आपका जुनून बन जाए तो सब आसान हो जाता है। परिवार का सहयोग बहुत जरूरी होता है। मुझे अपने बच्चों पर गर्व है। वे अपने-अपने क्षेत्र में अच्छा कर रहे हैं। मैं हमेशा मानती हूं कि अगर इंसान समय का सही उपयोग करे और अपने काम से प्यार करे तो सब कुछ साथ-साथ किया जा सकता है।

आखिर में, आज की युवा पीढ़ी, खासकर उन महिलाओं के लिए क्या संदेश देना चाहेंगी जो अपनी पहचान बनाना चाहती हैं?

- मैं सिर्फ इतना कहना चाहूंगी कि अपनी पहचान बनाने के लिए किसी बड़े मौके का इंतजार मत कीजिए। अपने भीतर की आवाज सुनिए। सीखना कभी बंद मत कीजिए। मेहनत करते रहिए और लोगों की आलोचनाओं से डरिए मत। अगर आपकी नीयत साफ है और आपका उद्देश्य अच्छा है, तो सफलता जरूर मिलेगी। अपनी भावनाओं को दबाइए मत, उन्हें अपनी ताकत बनाइए।

लेखन और डिजाइनिंग दो बिल्कुल अलग क्षेत्र हैं। क्या आपको इनमें कोई समानता दिखाई देती है?

जी हां, दोनों में सबसे बड़ी समानता लोगों की भावनाओं को समझना है। जब मैं लिखती हूं तो लोगों की सोच, उनके दर्द और उनकी भावनाओं को महसूस करती हूं। जब डिजाइन बनाती हूं तो सोचती हूं कि महिलाएं क्या पहनना पसंद करेंगी, कौन-सा रंग उन्हें आत्मविश्वास देगा और बाजार में क्या नया होना चाहिए। दोनों ही काम इंसानों की पसंद और भावनाओं को समझने से जुड़े हैं।

वुलन कारोबारी के साथ चार व्यापारियों ने मारी 1.50 करोड़ की ठगी, मामला दर्ज

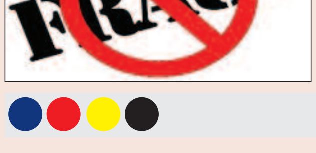

लुधियाना/यूटर्न/28 जुलाई। लुधियाना के एक वूलन कारोबारी से गुजरात के चार कारोबारियों द्वारा मिलकर 1.50 करोड़ रुपए की ठगी मार ली गई। थाना कूमकलां की पुलिस ने गांव रइयां के राजीव सोनी की शिकायत पर गुजरात के मुकताबेन अलपेशभाई मेरुलिया, अपलेश भाई मेरुलिया, गिरीशभाई, उत्सव के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस को दी शिकायत में शिकायतकर्ता राजीव सोनी ने बताया कि वह दीक्षा वूलन मिल्स गांव रइयां के डायरेक्टर है। जबकि उक्त सभी आरोपी गुजरात के सूरत की टेक्सटाइल मार्केट में कारोबार करते हैं। आरोपियों द्वारा अलग अलग समय के दौरान शिकायतकर्ता से व्यापार किया गया था। जिसकी कुल रकम 1.50 करोड़ बनती है। आरोपियों द्वारा बाद में पेमेंट देने के लिए टाल मटोल करनी शुरू कर दी। शिकायतकर्ता ने कई बार पेमेंट मांगी तो फिर आरोपी धमकियां देने लगे। जिससे परेशान होकर शिकायतकर्ता ने पुलिस को शिकायत दी।

पेज 06 इंटरनेशनल किन्नर अखाड़ा द्वारा आयोजित पट्टा...

डीएमसी अस्पताल के मशहूर जनरल सर्जर डॉ, रविंद्र पाल की सड़क हादसे में मौत, कई बार पल्टी फॉरच्यूनर कार

लुधियाना/यूटर्न/28 जुलाई। डीएमसी अस्पताल के मशहूर जनरल सर्जर की बठिंडा के पास अचानक फॉरच्यूनर कार का एक्सिडेंट हो गया। बताया जा करहा है कि एक्सिडेंट होते ही कार 5-6 बार पल्ट गई।

जिसके बाद रुक गई। हादसे में डॉ. रविंदर पाल सिंह गंभीर रुप से जख्मी हो गए। जिस कारण उनकी मौत हो गई। बठिंडा पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार डॉ. रविंदर पाल सिंह मशहूर जनरल सर्जन थे। मौजूदा समय में वे डीएमसी अस्पताल में कार्यरत थे। बताया जा रहा है कि मंगलवार को डॉ. रविंदर पाल सिंह अपनी फॉरच्यूनर कार में सवार होकर लुधियाना से बठिंडा की तरफ जा रहे थे। लेकिन रास्ते में अचानक हादसा हो गया। चर्चा है कि इस हादसे में कार के परखचे तक उड़ गए। डॉ. सिंह के अचानक देहांत के कारण परिवार के साथ साथ मेडिकल डिपार्टमेंट और डीएमसी अस्पताल स्टॉफ में भी शौक की लेहर है।

लेप्रोस्कोपिक सर्जरी के माहिर थे डॉ. सिंह

जानकारी के अनुसार डॉ. रविंदर पाल सिंह पिछले 21 साल से डॉक्टरी की प्रैक्टिस कर रहे थे। वह काफी मशहूर सर्जन थे। इसी के साथ साथ वे लेप्रोस्कोपिक सर्जरी के माहिर थे। वहीं हर्निया, गॉलब्लैडर का भी अच्छा तजुर्बा रखते थे। इसके अलावा वे डीएमसी अस्पताल के लेजर सर्जरी प्रोग्राम के साथ भी जुड़े हुए थे। डॉ. रविंदर पाल सिंह की रिसर्च के आर्टिक्ल अलग अलग स्थानों पर प्रकाशित होते रहे हैं। वहीं वे कई नेशनल और इंटरनेशनल सर्जरिक्ल फोरम के साथ जुड़े हुए थे।

पार्सल देने गई महिला से मारपीट करने वालों का साथ देने में जुटी पुलिस, पीड़िता ने गंभीर आरोप लगा डीआईजी को दी शिकायत

जगराओं/यूटर्न/28 जुलाई। जगराओं की पार्सल कंपनी की मुलाजिम करमजीत कौर के साथ डिलीवरी के समय धक्का मुक्की होने के मामले में पुलिस द्वारा कारवाही ना करने अरु आरोपियों को बचाने के लिए इंक्वायरी लगाने के मामले में पीड़िता द्वारा डीआईजी लुधियाना रेंज संदीप गोयल को शिकायत दी गई है। जिसमें उन्होंने पुलिस अफसरों की और से सिर्फ एक आरोपी को नामजद करके बाकियों को बचाने और ऐन इंक्वायरी लगाकर पर्चा खारिज करने का प्रयास करने के आरोप लगाये है। पीड़िता करमजीत कौर ने बताया के वह एक पार्सल कंपनी में कम करती है। वह 10 जून को मनमोहन कत्याल के घर पार्सल देने गई थी। इस दौरान मनमोहन कत्याल की और से उनके साथ बदसलूकी की। जिसके बाद हाथापाई की। जिसकी एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आई है। इस मामले में जगराओं पुलिस की से मामला दर्ज कर दिया गया। लेकिन मामले में सिर्फ मनमोहन को आरोपी बनाया गया, बाकी आरोपियों को छोड़ दिया गया।

बारिश में 'वॉटरफॉल' बना जीरकपुर फ्लाईओवर, लीकेज से हाईवे पर बढ़ा हादसे का खतरा

जीरकपुर/यूटर्न/28 जुलाई। मंगलवार को हुई बारिश ने जीरकपुर फ्लाईओवर के रखरखाव की पोल खोलकर रख दी। फ्लाईओवर पर लगी जल निकासी पाइप लाइन में लीकेज होने के कारण कई स्थानों से ऊंचाई से तेज धार में पानी सड़क पर गिरता रहा। फ्लाईओवर के नीचे का नजारा किसी झरने से कम नहीं था। अचानक ऊपर से गिरते पानी के कारण राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा, जबकि दोपहिया वाहन चालकों के लिए हालात सबसे अधिक जोखिम भरे रहे। बारिश के दौरान फ्लाईओवर के नीचे से गुजर रहे कई वाहन चालक अचानक ऊपर से गिरते तेज पानी से घबरा गए। कुछ बाइक सवारों को बीच रास्ते में रुकना पड़ा, जबकि कई लोगों ने जोखिम उठाते हुए उसी तेज धार के बीच से वाहन निकाले। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि कोई बाइक चालक अचानक संतुलन खो दे तो बड़ा सड़क हादसा हो सकता है।

रखरखाव पर उठे सवाल

स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि फ्लाईओवर की नियमित देखरेख नहीं होने के कारण यह स्थिति पैदा हुई है। उनका कहना है कि यदि जल निकासी पाइप लाइन का समय-समय पर निरीक्षण और मरम्मत की जाती तो बारिश के दौरान सड़क पर इस तरह पानी नहीं गिरता। लोगों के अनुसार यह केवल असुविधा का मामला नहीं, बल्कि सार्वजनिक सुरक्षा से जुड़ा गंभीर मुद्दा है।

बारिश में बढ़ जाता है खतरा

नागरिकों का कहना है कि सामान्य दिनों की तुलना में बारिश के समय यह समस्या कई गुना अधिक खतरनाक हो जाती है। सड़क पहले से गीली होने के कारण अचानक ऊपर से गिरने वाला तेज पानी वाहन चालकों का संतुलन बिगाड़ सकता है। विशेषकर दोपहिया वाहन चालकों और पैदल राहगीरों के लिए यह स्थिति जानलेवा साबित हो सकती है।

जमीन के नाम पर मारी आठ करोड़ की ठगी, महिला समेत सात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

लुधियाना/यूटर्न/28 जुलाई। गांव भौरा में एक महिला समेत सात लोगों द्वारा पहले एक जमीन का सौदा कर लिया गया। जिसकी एवज में आठ करोड़ रुपए भी ले लिए। लेकिन बाद में न तो रजिस्ट्री करवाई और न ही पेमेंट वापिस की गई। थाना सलेम टाबरी की पुलिस ने चार खंभा चौक के ईशपाल सिंह की शिकायत पर सलेम टाबरी के हेमकुंट कोल्ड स्टोर के बरिंदर मोहन सिंह, जसमोहिंद्र सिंह, अमरिंदर सिंह, बलप्रीत सिंह, इंद्रजीत कौर और दीप मोहनी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। शिकायतकर्ता ने बताया कि आरोपियों की गांव भोरा में 7.125 एकड़ जमीन है। जिसका सौदा शिकायतकर्ता के साथ 53.43 करोड़ रुपए में हुआ था। जिसके चलते शिकायतकर्ता ने छह करोड़ रुपए जमीन मालिकों को दे दिए, जबकि दो करोड़ रुपए ईशपाल सिंह को कमीशन के तौर पर दे दिए। पेमेंट लेने के बावजूद आरोपियों द्वारा तय समय पर रजिस्ट्री नहीं करवाई गई। जिसके बाद उन्होंने टाल मटोल करनी शुरू कर दी।

29 जुलाई को चंडीगढ़ के कई प्रमुख मार्गों पर रहेगा ट्रैफिक डायवर्जन, लोगों से वैकल्पिक रास्ते अपनाने की अपील

सुबह 9:30 बजे से सरोवर पथ और विकास मार्ग के कई हिस्सों पर यातायात रहेगा प्रभावित

चंडीगढ़ /यूटर्न/28 जुलाई। शहर में 29 जुलाई को विशेष सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था के मद्देनजर चंडीगढ़ ट्रैफिक पुलिस ने कई प्रमुख मार्गों पर आंशिक ट्रैफिक डायवर्जन और प्रतिबंध लागू करने का निर्णय लिया है। यह व्यवस्था मंगलवार सुबह 9:30 बजे से प्रभावी रहेगी। ट्रैफिक पुलिस के अनुसार यूटी-मोहाली बॉर्डर (बुड़ैल जेल के पीछे) से सेक्टर-50/51 चौक तक तथा वहां से सेक्टर-44/45-50/51 चौक (गौशाला चौक) तक सरोवर पथ पर यातायात आंशिक रूप से डायवर्ट और प्रतिबंधित रहेगा। इस दौरान सेक्टर-44/45 लाइट प्वाइंट भी प्रभावित रहेगा। इसी तरह सेक्टर-43/44/51/52 चौक (आईएसबीटी चौक) से सेक्टर-44/45-50/51 चौक (गौशाला चौक) और वहां से सेक्टर-45-46/49/50 चौक तक विकास मार्ग पर भी यातायात डायवर्ट किया जाएगा। इस दौरान सेक्टर-43/44 और सेक्टर-45/46 लाइट प्वाइंट पर भी ट्रैफिक प्रतिबंध लागू रहेंगे। ट्रैफिक पुलिस ने बताया कि आईएसबीटी सेक्टर-43 आने-जाने वाली इंटर-स्टेट बसों को सुचारु यातायात बनाए रखने और जाम से बचने के लिए वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करने के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे यात्रा के दौरान संभव हो तो वैकल्पिक मार्गों का इस्तेमाल करें तथा ट्रैफिक से जुड़े ताजा अपडेट के लिए चंडीगढ़ ट्रैफिक पुलिस के आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स ( ), इंस्टाग्राम और फेसबुक पर नजर रखें।

मोहाली में छह जगह अवैध खनन पकड़ा, 12.79 लाख घन फुट से अधिक खुदाई का खुलासा

खनन विभाग की सख्ती, कई एफआईआर दर्ज; सीमांकन के बाद भूमि मालिकों पर भी होगी कार्रवाई

मोहाली/यूटर्न/28 जुलाई। जिले में अवैध खनन के खिलाफ पंजाब खान एवं भू-विज्ञान विभाग ने जुलाई माह के दौरान अभियान तेज करते हुए छह स्थानों पर गैरकानूनी खनन का खुलासा किया है। विभागीय जांच में 12.79 लाख घन फुट से अधिक मिट्टी व अन्य सामग्री के अवैध उत्खनन की आशंका जताई गई है। इन सभी स्थानों पर बिना किसी वैध अनुमति व परमिट के खनन किया गया था। मामले में कई एफआईआर दर्ज कराई गई हैं, जबकि भूमि स्वामित्व और संबंधित खसरा नंबरों की पुष्टि के लिए राजस्व विभाग से सीमांकन कराया जा रहा है।

कार्यकारीअभियंता - सह -जिला खनन अधिकारी गुरतेज सिंह गरचा ने बताया कि एसडीओ प्रदीप कुमार और जूनियर इंजीनियर-सह-खनन निरीक्षकों की टीम ने खेड़ी जट्टां, मुकंदपुर, हैबतपुर, बिजनपुर, डेराबस्सी क्षेत्र के एक अन्य स्थल और रामपुर सैनियां में निरीक्षण किया। जांच के दौरान सभी स्थानों पर बड़े पैमाने पर अवैध खुदाई मिली। इनमें सबसे अधिक करीब 6.55 लाख घन फुट उत्खनन एक ही स्थल पर पाया गया। सभी स्थानों के जीपीएस निदेशांक भी रिपोर्ट में दर्ज किए गए हैं।

उन्होंने बताया कि किसी भी स्थल के लिए विभाग की ओर से लघु खनिज या मिट्टी के उत्खनन की अनुमति जारी नहीं की गई थी। इसलिए संबंधित भूमि के स्वामित्व की पुष्टि के लिए राजस्व विभाग को सीमांकन करने के निर्देश दिए गए हैं। सीमांकन रिपोर्ट मिलने के बाद दोषियों के खिलाफ आगे की कानूनी और प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने माइन्स एंड मिनरल्स (डेवलपमेंट एंड रेगुलेशन) एक्ट, 1957 की धारा 4(1) और 21(1) के तहत कार्रवाई शुरू कर दी है। जुलाई के दौरान डेराबस्सी, हंडेसरा, बिजनपुर, पीर मुच्छल्ला और घड़ोली में अवैध खनन से जुड़े कई मामले दर्ज किए गए हैं। हंडेसरा में टांगरी नदी क्षेत्र से करीब 40.50 लाख घन फुट मिट्टी के अवैध उत्खनन का मामला सामने आया है, जबकि डेराबस्सी में कार्रवाई के दौरान सरकारी अधिकारियों के कार्य में बाधा डालने के आरोप में भी एफआईआर दर्ज की गई है।

खनन अधिकारी ने बताया कि बिजनपुर में निरीक्षण के दौरान जेसीबी मशीन से अवैध खुदाई होती मिली, लेकिन टीम के पहुंचने से पहले चालक मशीन सहित फरार हो गया। इस मामले में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ केस दर्ज कराया गया है। वहीं, पीर मुच्छल्ला के पास घग्गर नदी से कथित रूप से बजरी के अवैध खनन के मामले में भी पुलिस ने अलग से एफआईआर दर्ज की है। उन्होंने कहा कि

अवैध खनन के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और पुलिस जांच व सीमांकन रिपोर्ट के आधार पर दोषियों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

गोल्डी ढिल्लों गैंग के सक्रिय सदस्य की जमानत खारिज, अवैध हथियार सप्लाई के गंभीर आरोप

कोर्ट बोली- आरोपी के खिलाफ गंभीर साक्ष्य, रिहा होने पर दोबारा अपराध और गवाहों को प्रभावित करने की आशंका

मोहाली/यूटर्न/28 जुलाई। गैंगस्टर गोल्डी ढिल्लों गैंग के सक्रिय सदस्य बताए जा रहे आरोपी अक्षय प्रोचा उर्फ प्रिंस निवासी धमोली राजपुरा की नियमित जमानत याचिका अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत ने खारिज कर दी। अदालत ने कहा कि आरोपी के खिलाफ गंभीर आरोप हैं और वर्तमान परिस्थितियों में उसे जमानत का लाभ नहीं दिया जा सकता।

अदालत में बचाव पक्ष ने दलील दी कि आरोपी की पहली जमानत याचिका खारिज होने के बाद परिस्थितियां बदल गई हैं, क्योंकि पुलिस जांच पूरी कर चुकी है और अदालत में चालान भी पेश किया जा चुका है। इसलिए उसे नियमित जमानत दी जानी चाहिए। हालांकि अदालत ने रिकॉर्ड का अवलोकन करने के बाद इस तर्क को स्वीकार नहीं किया।

अदालत ने कहा कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि अक्षय प्रोचा और उसके साथी किसी वारदात को अंजाम देने की तैयारी में थे तथा गैंगस्टरों को अवैध हथियार और गोला-बारूद सप्लाई करते थे। इसी सूचना के आधार पर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने अक्षय के कब्जे से 30 बोर की एक पिस्तौल और दो कारतूस, सह-आरोपी अरमान से 30 बोर की एक पिस्तौल और तीन कारतूस तथा सह-आरोपी चिराग के कब्जे से 30 बोर के तीन कारतूस बरामद किए थे।

जांच के दौरान यह भी सामने आया कि आरोपी गोल्डी ढिल्लों गैंग से जुड़ा हुआ था और अपने साथियों के साथ मिलकर गैंगस्टरों को अवैध हथियार व गोला-बारूद उपलब्ध कराता था। अदालत ने कहा कि समाज में जबरन वसूली, शांति भंग करने और संगठित अपराध की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, जिनसे सख्ती से निपटने की आवश्यकता है।

अदालत ने अपने आदेश में कहा कि आरोपी 18 अप्रैल 2026 से न्यायिक हिरासत में है, लेकिन उसके खिलाफ लगे आरोप अत्यंत गंभीर हैं। केवल जांच पूरी होना और चालान पेश होना ऐसा महत्वपूर्ण बदलाव नहीं है, जिसके आधार पर पहले दिए गए आदेश पर पुनर्विचार किया जाए। अदालत ने यह भी माना कि जमानत मिलने पर आरोपी के दोबारा अपराध करने, गवाहों को प्रभावित करने या फरार होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। इन सभी तथ्यों को देखते हुए अदालत ने अक्षय प्रोचा की नियमित जमानत याचिका खारिज कर दी।

बरसाती पानी के गड्ढे में डूबने से छह वर्षीय मासूम की मौत

मोहाली/यूटर्न/28 जुलाई। गांव झुझारनगर में मंगलवार को एक दर्दनाक हादसे में बरसाती पानी के गड्ढे में डूबने से छह वर्षीय मासूम की मौत हो गई। मृतक की पहचान विराट के रूप में हुई है जोकि बड़माजरा का रहने वाला था। हादसे के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

मंगलवार को हुई बारिश के बाद गांव झुझार नगर में एक गड्ढे में बरसाती पानी भर गया था। इसी दौरान पांच से छह बच्चे वहां नहाने के लिए पहुंच गए। इनमें छह वर्षीय विराट भी शामिल था। नहाते समय विराट अचानक गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। बच्चों को अंदाजा नहीं था कि बरसाती गड्ढा काफी गहरा है। बताया जा रहा है कि विराट को डूबता देख उसके साथ मौजूद बच्चे घबरा गए और उसे बचाने के बजाय गांव की ओर भाग गए। बच्चों के शोर मचाने पर गांव निवासी सतिंदर मौके पर पहुंचा और अन्य लोगों की मदद से विराट को पानी से बाहर निकाला। गंभीर हालत में उसे तुरंत सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के पिता रितेश ने बताया कि हादसे के समय वह काम पर गए हुए थे। उनके चार बच्चे हैं और विराट सबसे छोटा था। घर के पास ही स्थित बरसाती टोबे में वह अपने दोस्तों के साथ नहाने गया था, जहां यह हादसा हो गया। घटना के बाद गांव में मातम का माहौल है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि गांवों में खुले और गहरे बरसाती गड्ढों के आसपास सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएं, ताकि भविष्य में इस तरह की दर्दनाक घटनाओं को रोका जा सके। वहीं पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है।

विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस पर सैनिक स्कूल के कैडेट्स ने लहराया परचम

अश्विनी वालिया

कुरुक्षेत्र/यूटर्न/28 जुलाई। विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस के अवसर पर कुरुक्षेत्र पैनोरमा एंड साइंस सेंटर द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्रीमती केसरी देवी लोहिया जयराम सैनिक स्कूल, लोहारमाजरा, कुरुक्षेत्र के कैडेट्स ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया। यह केंद्र राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद (NCSM), संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत संचालित है। प्रतियोगिता में विद्यालय के कक्षा 8 से श्रेयस ने भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं कक्षा 6 के कैडेट ओनिश हंस ने वृक्ष एवं पौधों की पहचान प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल कर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। दोनों विजेता कैडेट्स को कुरुक्षेत्र पैनोरमा एंड साइंस सेंटर द्वारा प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर विद्यालय में हर्ष का वातावरण है।
विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती अंजू अग्रवाल ने विजेता विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा,
ऐसी उपलब्धियाँ अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणास्रोत हैं। हमें विश्वास है कि हमारे छात्र भविष्य में भी विभिन्न शैक्षिक एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय और देश का नाम रोशन करेंगे।≠

पेज 12 PoK में हिंसा: प्रदर्शनकारियों पर पाकिस्तान की कार्रवाई...

अब आया रिजर्वेशन हटाओ और ई20 जनता पार्टी आंदोलन: सीजेपी के विरोध से प्रेरित होकर शुरू हुए नए आंदोलन

चंडीगढ़/यूटर्न/28 जुलाई। नीट पेपर लीक को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी' (सीजेपी) का जो आंदोलन शुरू हुआ था, वह अब पूरे भारत में नागरिकों के नेतृत्व वाले विरोध प्रदर्शनों के लिए एक मॉडल बनता जा रहा है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा करवाने में सीजेपी की सफलता से प्रेरित होकर, कई मुद्दों पर आधारित समूह जैसे 'रिजर्वेशन हटाओ' अभियान और इथेनॉल-मिश्रित ईंधन का विरोध करने वाली 'ई20 जनता पार्टी' अब अपनी मांगों को मनवाने के लिए वैसी ही ब्रांडिंग, सोशल मीडिया रणनीतियों और विरोध के तरीकों को अपना रहे हैं।

इनमें सबसे नया 'रिजर्वेशन हटाओ' अभियान है, जिसने आरक्षण नीतियों पर देशव्यापी बहस की मांग करके सीजेपी द्वारा बनाए गए माहौल का फायदा उठाने की कोशिश की है। आयोजकों ने पारंपरिक राजनीतिक संगठनों से परे एक बड़ा समर्थन आधार बनाने के लिए जानबूझकर इस आंदोलन के विकेंद्रीकृत ढांचे, डिजिटल-फर्स्ट पहुंच और युवाओं पर केंद्रित संदेशों को अपनाया है।

२० प्रतिशत इथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल का विरोध

वहीं, 'ई20 जनता पार्टी' 20 प्रतिशत इथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल को पूरे देश में लागू करने का विरोध करने के लिए सामने आई है। समूह का तर्क है कि उपभोक्ताओं के पास पारंपरिक पेट्रोल खरीदने का विकल्प होना चाहिए और उन्होंने केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के इस्तीफे की मांग की है, साथ ही प्रधान के खिलाफ सीजेपी के सफल अभियान का उदाहरण भी दिया है।

सोशल मीडिया पर निर्भर आंदोलन

राजनीतिक जानकारों का कहना है कि ये अभियान पारंपरिक पार्टी की राजनीति के बजाय मुद्दों पर आधारित लामबंदी के एक नए मॉडल को दशार्ते हैं। स्थायी राजनीतिक संगठन बनाने के बजाय, ये समूह विशिष्ट शिकायतों को लेकर नागरिकों को एकजुट कर रहे हैं और लोकप्रियता हासिल करने के लिए काफी हद तक हास्य, व्यंग्य, मीम्स और सोशल मीडिया पर निर्भर हैं, ठीक वैसे ही जैसे सीजेपी ने अपने देशव्यापी विरोध प्रदर्शनों के दौरान किया था।

सीजेपी बनी मिसाल

परीक्षा सुधारों को लेकर 36 दिनों के आंदोलन के बाद प्रधान के इस्तीफे और केंद्र सरकार को बातचीत के लिए मजबूर करने के कारण, सीजेपी खुद ही विरोध प्रदर्शन करने वाले नए आंदोलनों के लिए एक मिसाल बन गई है। इसकी सफलता ने यह साबित कर दिया है कि डिजिटल रूप से संगठित और युवाओं के नेतृत्व वाले अभियान स्थापित राजनीतिक दलों के समर्थन के बिना भी राजनीतिक रियायतें हासिल करने के लिए मजबूर कर सकते हैं।

जन-लामबंदी में बदलाव का संकेत

विश्लेषकों का मानना है कि ऐसे अभियानों का बढ़ना जन-लामबंदी में बदलाव का संकेत है, जहां किसी खास मुद्दे पर आधारित आंदोलन अगर ऑनलाइन लोगों की भावनाओं से जुड़ने में सफल हो जाते हैं, तो वे तेजी से राष्ट्रीय स्तर पर ध्यान आकर्षित कर सकते हैं। क्या 'रिजर्वेशन हटाओ' कैंपेन, ई20 जनता पार्टी और दूसरे उभरते हुए प्लेटफॉर्म सीजेपी जैसा राजनीतिक असर डाल पाएंगे, यह तो पक्का नहीं है, लेकिन उन्होंने यह जरूर दिखा दिया है कि 'कॉकरोच मूवमेंट' भारत की डिजिटल पीढ़ी के लिए विरोध-प्रदर्शन का एक व्यापक ब्लूप्रिंट बन गया है।

पॉलीथिन छोड़ें, कपड़े का थैला अपनाएं; ई२डी फाउंडेशन ने चलाया जागरूकता अभियान

पर्यावरण बचाने का संदेश, शहरवासियों को बांटे गए मुफ्त सूती थैले

छोटी पहल, बड़ा बदलाव

ई2डी फाउंडेशन ने नागरिकों से अपील की कि घर से निकलते समय हमेशा कपड़े का थैला साथ रखें। इससे पॉलीथिन का उपयोग कम होगा और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक बड़ा बदलाव संभव हो सकेगा।

जीरकपुर/यूटर्न/28 जुलाई। पर्यावरण संरक्षण और प्लास्टिक प्रदूषण पर रोक लगाने के उद्देश्य से ई2डी फाउंडेशन ने शहर में जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को निशुल्क सूती थैले वितरित किए। अभियान के दौरान नागरिकों से दैनिक जीवन में पॉलीथिन का उपयोग बंद कर कपड़े के थैले अपनाने की अपील की गई।

ई2डी फाउंडेशन की निदेशक नीना भंडारी ने बताया कि संस्था पर्यावरण संरक्षण को लेकर लगातार जनजागरूकता अभियान चला रही है। इसी क्रम में विभिन्न क्षेत्रों में लोगों को मुफ्त सूती थैले वितरित किए जा रहे हैं, ताकि वे खरीदारी के दौरान पॉलीथिन की जगह पर्यावरण अनुकूल विकल्प का इस्तेमाल करें।

उन्होंने कहा कि पॉलीथिन का बढ़ता उपयोग पर्यावरण के साथ-साथ मानव स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरा बन चुका है। प्लास्टिक कचरे के कारण मिट्टी और जल स्रोत प्रदूषित हो रहे हैं, इसलिए प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है कि वह कपड़े के थैले के उपयोग को अपनी आदत बनाए।

नीना भंडारी ने कहा कि संस्था का यह अभियान आगे भी शहर के विभिन्न इलाकों में जारी रहेगा। उनका उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक कर जीरकपुर को स्वच्छ और पॉलीथिन मुक्त बनाने में जनभागीदारी सुनिश्चित करना है।

डेराबस्सी के विकास कार्यों को और गति देने का दावा, राहुल कौशिक ने संभाली नई जिम्मेदारी

डेराबस्सी/यूटर्न/28 जुलाई। डेराबस्सी विधानसभा क्षेत्र के विधायक कुलजीत सिंह रंधावा के नवनियुक्त मुख्य राजनीतिक सलाहकार राहुल कौशिक ने कहा कि क्षेत्र के विकास कार्यों को और तेज गति से आगे बढ़ाया जाएगा। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार आम जनता से जुड़े बुनियादी ढांचे और जनकल्याण योजनाओं पर विशेष ध्यान दे रही है, ताकि लोगों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। स्थानीय नगर परिषद कार्यालय में पदभार संभालने के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए राहुल कौशिक ने कहा कि डेराबस्सी हलके में सड़कें, गलियां, नालियां, सीवरेज, पेयजल, स्ट्रीट लाइट और पार्कों समेत विभिन्न विकास परियोजनाओं पर तेजी से काम चल रहा है। उन्होंने कहा कि विधायक कुलजीत सिंह रंधावा के नेतृत्व में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के संतुलित विकास को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित कर रही है, जिससे पात्र महिलाओं को आर्थिक सहायता का लाभ मिल रहा है। वहीं शिक्षा के क्षेत्र में सरकारी स्कूलों में आधुनिक सुविधाएं, बेहतर भवन और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। स्वास्थ्य सेवाओं और अन्य जनहित कार्यों में भी सुधार की दिशा में कदम उठाए जा रहे हैं। राहुल कौशिक ने कहा कि जनता के सहयोग से डेराबस्सी विधानसभा क्षेत्र को आधुनिक और सुविधासंपन्न बनाने का प्रयास लगातार जारी रहेगा। उन्होंने भरोसा जताया कि विकास कार्यों की गति भविष्य में भी इसी तरह बनी रहेगी। इस अवसर पर विधायक कुलजीत सिंह रंधावा ने नगर परिषद कार्यालय में राहुल कौशिक का स्वागत किया और उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में नगर परिषद जीरकपुर के अध्यक्ष गुरप्रीत सिंह विर्क, नगर परिषद डेराबस्सी की अध्यक्ष आशू उपनेजा, वरिष्ठ नेता कुलदीप सिंह रंगी, नरेश उपनेजा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सांसद डॉ.चब्बेवाल ने प्राइवेट स्कूलों द्वारा मनमाने ढंग से फीस बढ़ाने का मुद्दा लोकसभा में उठाया

नई दिल्ली/फगवाड़ा/यूटर्न/28 जुलाई। सांसद डॉ. राज कुमार चब्बेवाल ने आज लोकसभा में प्राइवेट स्कूलों द्वारा विद्यार्थियों की फीस में मनमाने ढंग से की जाने वाली बढ़ोतरी का मुद्दा उठाते हुए देशभर में फीस वृद्धि की मंजूरी के लिए मौजूदा व्यवस्था को और मजबूत बनाने हेतु फीस रेगुलेटरी कमेटियों के गठन की मांग की। डॉ.राज कुमार चब्बेवाल के प्रश्न का उत्तर देते हुए केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने स्पष्ट किया कि शिक्षा सभी का संवैधानिक अधिकार है और केंद्र सरकार के अधिकार क्षेत्र वाले स्कूलों को छोड़कर अन्य सभी स्कूल संबंधित राज्य सरकारों तथा केंद्र शासित प्रदेशों के प्रशासन के अधिकार क्षेत्र में आते हैं। उन्होंने कहा कि संबंधित राज्य सरकारें फीस को विनियमित करने तथा उसमें वृद्धि निर्धारित करने के लिए अधिकृत हैं। केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि बच्चों का निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 देश में 6 से 14 वर्ष तक के बच्चों के लिए निःशुल्क एवं अनिवार्य प्रारंभिक शिक्षा की गारंटी देता है। उन्होंने बताया कि इस अधिनियम के तहत प्राइवेट गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों में प्रवेश स्तर पर कम से कम 25 प्रतिशत सीटें कमजोर वर्गों और वंचित समूहों के बच्चों के लिए आरक्षित रखना अनिवार्य है।

Happy Birthday

नेहमत कपूर

रूह से रूबरू

चारू नागपाल

एशिया की सबसे मशहूर लुधियाना की नई सब्जी मंडी बदहाली की शिकार

एशिया की सबसे मशहूर और पंजाब की सबसे बड़ी नई बनी लुधियाना की सब्जी मंडी आज अपनी बदहाल व्यवस्था के कारण गंभीर समस्याओं का सामना कर रही है। करोड़ों रुपये की लागत से विकसित की गई इस मंडी का रखरखाव लंबे समय से उपेक्षित है। जगह-जगह सड़ी-गली सब्ज़ियों के ढेर, फैली गंदगी और असहनीय बदबू ने पूरे परिसर का स्वरूप बिगाड़ दिया है। बरसात के दिनों में स्थिति और भी भयावह हो जाती है। मंडी में जलभराव, कीचड़ और कचरे के कारण व्यापारियों, किसानों, मजदूरों और ग्राहकों का काम करना तो दूर, वहां कुछ देर रुकना भी मुश्किल हो जाता है। इतनी विशाल मंडी से पंजाब सरकार को हर वर्ष करोड़ों रुपये का राजस्व प्राप्त होता है, लेकिन इसके रखरखाव और सफाई व्यवस्था पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया जा रहा है। यह मंडी प्रदेश की कृषि और व्यापार व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी है। यदि समय रहते इसकी सफाई, जल निकासी और नियमित रखरखाव की उचित व्यवस्था नहीं की गई, तो इसका सीधा असर व्यापार और जनस्वास्थ्य पर पड़ेगा। हम पंजाब सरकार और संबंधित अधिकारियों से अपील करते हैं कि इस महत्वपूर्ण सब्जी मंडी की साफ-सफाई, रखरखाव और मूलभूत सुविधाओं में तत्काल सुधार किया जाए, ताकि व्यापारियों, किसानों और आम लोगों को स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण मिल सके।

इंटरनेशनल किन्नर अखाड़ा द्वारा आयोजित पट्टा अभिषेक समारोह में सीएम मान की पत्नी और विधायक बग्गा ने की शिरकत

लुधियाना/यूटर्न/28 जुलाई। अंतरराष्ट्रीय किन्नर अखाड़ा द्वारा मंगलवार को लुधियाना में पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 माई भोली नंदगिरी जी के पट्टा अभिषेक समारोह का भव्य आयोजन किया। पट्टा अभिषेक के दौरान पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान की धर्मपत्नी डॉ. गुरप्रीत कौर मान, हल्का नॉर्थ विधायक चौधरी मदन लाल बग्गा, अशोक पराशर पप्पी, दलजीत ग्रेवाल भोला, मेयर इंद्रजीत कौर, सीनियर डिप्टी मेयर राकेश पराशर, पार्षद अमन बग्गा, लीगल एडवाइजर गौरव बग्गा मुख्य रुप से पहुंचे। इस अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय किन्नर अखाड़ा की प्रमुख आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी डॉ. लक्ष्मी त्रिपाठी जी के सानिध्य में देश के विभिन्न हिस्सों से महामंडलेश्वर राधिका नंद गिरी मुंबई, महामंडलेश्वर ईश्वरी नंद गिरी राजस्थान, महामंडलेश्वर मां सोनाक्षी नंद गिरी चंडीगढ़, महामंडलेश्वर सतीश नंदगिरी महाराज व अन्य पहुंचे। वहीं संत समाज से दिगंबर अखाड़ा से प्राचीन ठाकुरद्वारा के पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर स्वामी रामेश्वर दास त्यागी जी,निरंजनी अखाड़ा से महामंडलेश्वर दयानंद सरस्वती जी,महामंडलेश्वर शेरुदास जी समारोह में पहुंचे। संत समाज व विद्वान ब्राह्मणों द्वारा विधि-विधान सहित माई भोली नंदगिरी जी का पट्टा अभिषेक समारोह संपन्न हुआ।

इस मौके पार्षद तेजिंदर कौर राजा, पार्षद पुष्पेंद्र भनोट, आप महिला अध्यक्ष मनीषा कपूर, विकास पराशर, गोलू बाजवा, हरियाणा सरकार से वरिष्ठ नेता तरुण भंडारी, भाजपा जिला अध्यक्ष सुनील मौदगिल, पार्षद पूनम रतड़ा, गौरवजीत गौरा, मुकेश खत्री, विपन विनायक, शिव वेलफेयर सोसाइटी से राजू गुंबर भी मौजूद रहे।

कानूनी बात - निशांत प्रभाकर के साथ

Social Media पर गाली: मजाक या अपराध?

निशांत प्रभाकर, एडवोकेट

आज Social Media हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन चुका है। Facebook, Instagram, X (Twitter) और WhatsApp जैसे प्लेटफॉर्म पर लोग खुलकर अपनी बात रखते हैं। लेकिन कई बार बहस इतनी बढ़ जाती है कि लोग गाली-गलौज और अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने लगते हैं।

बहुत से लोगों को लगता है कि Social Media पर कुछ भी लिख सकते हैं क्योंकि यह सिर्फ एक "Online Comment" है। लेकिन ऐसा नहीं है। इंटरनेट पर लिखी गई बात भी उतनी ही गंभीर हो सकती है, जितनी किसी व्यक्ति के सामने कही गई बात।

यदि कोई व्यक्ति किसी को बार-बार गालियां देता है, अपमानित करता है, धमकी देता है या जानबूझकर उसकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करता है, तो मामला केवल बहस तक सीमित नहीं रहता। हालात के अनुसार उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई हो सकती है।

हालांकि हर तीखी बहस या हर खराब Comment अपराध नहीं बन जाता। कई बार लोग गुस्से में ऐसी बातें लिख देते हैं जो शिष्टाचार के खिलाफ तो होती हैं, लेकिन हर मामले में अपराध नहीं मानी जातीं। यह इस बात पर निर्भर करता है कि Comment का उद्देश्य क्या था, उसकी भाषा कितनी गंभीर थी और उससे सामने वाले पर क्या प्रभाव पड़ा।

यदि आपको Social Media पर गाली या अभद्र भाषा का सामना करना पड़े, तो तुरंत उसी भाषा में जवाब देने के बजाय उस Comment का Screenshot सुरक्षित रखें। जरूरत पड़ने पर संबंधित Platform पर Report करें और मामला गंभीर हो तो कानूनी सलाह लेकर उचित कार्रवाई करें।

याद रखें, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का मतलब किसी का अपमान करने की आजादी नहीं है। कानून आपको अपनी बात रखने का अधिकार देता है, लेकिन दूसरे व्यक्ति की गरिमा का सम्मान करना भी उतना ही जरूरी है।

निष्कर्ष: Social Media पर लिखे गए शब्द हमेशा के लिए रिकॉर्ड बन सकते हैं। इसलिए Comment करने से पहले एक बार जरूर सोचें। कुछ सेकंड का गुस्सा कई बार लंबे कानूनी विवाद का कारण बन सकता है।

कोई जाये जो वृन्दावन...' फेम भजन सम्राट पुष्पेंदर चौहान जन्माष्टमी पर लगाएंगे हाजिरी, भक्तिमय होगा जोशी नगर धाम

लुधियाना/यूटर्न/28 जुलाई। सिद्ध पीठ महाबली संकटमोचन श्री हनुमान मंदिर, जोशी नगर धाम, शंकराचार्य नगर में साप्ताहिक श्रृंखलाबद्ध 1356वां हवन यज्ञ मंदिर के प्रधान अमन जैन, चेयरमैन ऋषि जैन एवं उपप्रधान अनुज मदान की अध्यक्षता में श्रद्धा, भक्ति एवं उत्साह के साथ संपन्न हुआ।प्रातःकाल आयोजित हवन यज्ञ में यजमान माधुरी एवं वरिंदर परिवार सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। मंदिर के आचार्य देवी दयाल जी, आचार्य राम जी, आचार्य विश्राम जी, आचार्य संजय जी, आचार्य सुरेश जी एवं आचार्य नारायण जी ने वैदिक मंत्रोच्चार एवं पूर्ण विधि-विधान के साथ हवन यज्ञ संपन्न करवाया।

इस अवसर पर मंदिर के प्रधान अमन जैन, चेयरमैन ऋषि जैन एवं उपप्रधान अनुज मदान ने आगामी 1 सितंबर से मंदिर प्रांगण में आयोजित होने जा रही नौ दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा की विस्तृत जानकारी श्रद्धालुओं के साथ साझा की।

उन्होंने बताया कि देवभूमि हिमाचल प्रदेश के सिंदूरी मंदिर से पधार रहे आचार्य श्री प्रफुल जी महाराज अपने श्रीमुख से भगवान श्रीकृष्ण की दिव्य लीलाओं एवं श्रीमद्भागवत कथा का अमृतमय व्याख्यान करेंगे। कथा के माध्यम से श्रद्धालुओं को सनातन संस्कृति, धर्म, भक्ति और जीवन मूल्यों का संदेश मिलेगा। उन्होंने बताया कि जन्माष्टमी महोत्सव इस आयोजन का विशेष आकर्षण रहेगा। इस पावन अवसर पर 'कोई जाये जो वृन्दावन...' फेम प्रसिद्ध भजन सम्राट पुष्पेंदर चौहान अपने मधुर एवं भक्तिमय भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को श्रीकृष्ण भक्ति के रस में सराबोर करेंगे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस वर्ष का जन्माष्टमी महोत्सव श्रद्धालुओं के हृदय पर अमिट छाप छोड़ेगा और वर्षों तक यादगार रहेगा।

हवन यज्ञ के उपरांत सभी श्रद्धालुओं ने आरती में भाग लिया तथा प्रसाद ग्रहण कर धर्म लाभ प्राप्त किया।

एलएडीसी प्रणाली के विरोध में वकील भाईचारे ने डीसी ऑफिस बाहर किया विरोध प्रदर्शन, लंबे समय से चल रही हड़ताल

लुधियाना/यूटर्न/28 जुलाई। मंगलवार को लीगल एड डिफेंस काउंसिल (एलएडीसी) प्रणाली के विरोध में लुधियाना जिला बार एसोसिएशन के सभी मेंबर्स द्वारा डीसी ऑफिस के बाहर विरोध प्रदर्शन किया गया। वकील भाईचारे की और से कचहरी से लेकर डीसी ऑफिस तक पहले पैदल मार्च निकाला गया। जिसके बाद सरकार और एलएडीसी प्रणाली के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। फिर उनकी तरफ से धरना दिया गया। उन्होंने कहा कि लिखित आश्वासन के बिना हड़ताल खत्म नहीं होगी। इस दौरान जिला बार एसोसिएशन प्रेजिडेंट एडवोकेट विपिन सग्गर ने कहा कि साल 1987 से लागू लीगल एड नीति के तहत 100 से 125 वकील पैनल में शामिल होकर जरूरतमंद लोगों को मुफ्त कानूनी

सहायता उपलब्ध कराते थे। उनका आरोप है कि नई एलएडीसी नीति के तहत सरकार ने इस संख्या को घटाकर केवल 8 से 10 वकीलों तक सीमित कर दिया है। एडवोकेट गगनप्रीत सिंह ने आरोप लगाया कि एलएडीसी के तहत नियुक्त वकील सीधे तौर पर न्यायपालिका और सरकार के दबाव में काम कर रहे हैं। उनका कहना है कि इससे मुकदमों में निष्पक्ष सुनवाई और क्रॉस-एग्जामिनेशन प्रभावित हो रही है। वकीलों ने दावा किया कि इस व्यवस्था के कारण बड़ी संख्या में मामलों में आरोपियों को नुकसान उठाना पड़ रहा है और सजा की दर बढ़ रही है।

जनता हो रही परेशान

वहीं इस पूरे मामले में कुल मिलाकर जनता परेशान हो रही है। क्योंकि कई लोगों के केस जिला अदालतों में अहम पहलु पर खड़े हैं, वहीं हाईकोर्ट में भी कई केसों की सुनवाई जरुरी है। लेकिन वकील भाईचारे की मांगें न मानने के कारण जनता को दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। इस दौरान वकीलों ने ऐलान किया कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होती, तब तक उनकी हड़ताल जारी रहेगी।

एलएससी समूह में शेयर होल्डिंग और मार्जिन सिस्टम को लेकर खड़े हुए सवाल, शेयरधारकों ने मांगा जवाब

लुधियाना/यूटर्न/28 जुलाई। फिरोजगांधी मार्केट स्थित एलएससी (लुधियाना स्टॉक एंड कैपिटल लिमिटेड) समूह की कंपनियों में शेयर होल्डिंग और मार्जिन सिस्टम को लेकर सवाल उठने लगे हैं। कंपनी के एक शेयरधारक ने अलग-अलग पत्र लिखकर प्रबंधन से स्पष्टीकरण मांगा है। इन पत्रों की प्रतियां बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स और संबंधित समितियों को भी भेजी गई हैं। 10 जुलाई को लुधियाना स्टॉक एंड कैपिटल लिमिटेड को भेजे गए पत्र में शेयरधारक राकेश जैन ने कंपनी से पूछा है कि क्या कंपनी के उपनियम, आर्टिकल ऑफ एसोसिएशन, मेमोरेंडम या कंपनी अधिनियम, 2013 और सेबी के किसी प्रावधान के तहत किसी

व्यक्ति, परिवार या संस्था द्वारा एक निश्चित सीमा से अधिक शेयर रखने पर कोई प्रतिबंध है। उन्होंने इस संबंध में स्पष्ट जानकारी देने का आग्रह किया है। वहीं, 27 जुलाई को एलएससी सिक्योरिटीज लिमिटेड को भेजे गए एक अन्य पत्र में मार्जिन सिस्टम (ईएलएम फ्रेमवर्क) के कथित दुरुपयोग को लेकर सवाल उठाए गए हैं। पत्र में उल्लेख किया गया है कि कंपनी के चेयरमैन ने हाल ही में सोशल मीडिया के माध्यम से कहा था कि कंपनी में आरएमएस फेल होने या मार्जिन सिस्टम में किसी प्रकार की गड़बड़ी का मामला नहीं है।

होल्डिंग कंपनी से निर्देश मिलने पर क्या एक्शन लिया

पत्र में यह भी पूछा गया है कि यदि होल्डिंग कंपनी की ओर से इस विषय में कोई सुझाव, आपत्ति या निर्देश प्राप्त हुए थे तो प्रबंधन ने उस पर क्या कार्रवाई की। साथ ही 20 मार्च से अब तक मार्जिन के कथित दुरुपयोग के मामलों में सदस्यों से कितनी पेनल इंटरेस्ट वसूली गई तथा 50 :50 कैश और नॉन-कैश मार्जिन अनुपात का पालन किस प्रकार सुनिश्चित किया गया, इसकी जानकारी भी मांगी गई है। शेयरधारक ने अपने पत्र में सुझाव दिया है कि यदि आवश्यकता हो तो पूरे मामले की फॉरेंसिक ऑडिट कराई जाए, ताकि मार्जिन सिस्टम की पारदर्शिता, जवाबदेही और विश्वसनीयता को लेकर उठ रहे संदेह दूर हो सकें।

एक माह से अधूरा चैंबर निर्माण, लोगों ने गड्ढे में सीढ़ी लगाकर जताया विरोध

जीरकपुर/यूटर्न/28 जुलाई। बलटाना के वधावा नगर में बरसाती पानी की निकासी के लिए शुरू किया गया चैंबर निर्माण कार्य एक माह बाद भी पूरा नहीं हो सका है। करीब 100 मीटर तक खुदी सड़क बारिश के बाद कीचड़ और सीवरेज के पानी से भर गई है, जिससे स्थानीय लोगों का आवागमन मुश्किल हो गया है। लगातार शिकायतों के बावजूद काम पूरा नहीं होने से नाराज लोगों ने मंगलवार को नगर परिषद के खिलाफ प्रदर्शन किया।

प्रदर्शन के दौरान लोगों ने अनोखे तरीके से अपना विरोध दर्ज कराया। उन्होंने गहरे गड्ढे के

बीच डंडे के सहारे एक सीढ़ी खड़ी कर दी, ताकि वहां से गुजरने वाले लोगों को खतरे का अंदाजा हो सके और कोई हादसा न हो। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि जब नगर परिषद चेतावनी बोर्ड तक नहीं लगा सकी तो उन्हें अपनी सुरक्षा के लिए खुद व्यवस्था करनी पड़ी। स्थानीय निवासी रमन सैनी, साहिल, मनिंदर सिंह, रेनू, सुनीता, सुमित और आनंद ने बताया कि सड़क खुदे होने और बरसाती पानी जमा रहने से कई स्कूली बच्चे फिसलकर चोटिल हो चुके हैं। दोपहिया वाहन चालक आए दिन कीचड़ में फंस रहे हैं, जबकि कई कारों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा। उनका आरोप है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद न तो कोई अधिकारी मौके पर पहुंचा और न ही निर्माण कार्य पूरा कराने की दिशा में कोई कदम उठाया गया।

गुरुद्वारा साहिब में दो निहंग सिंहों में हुआ विवाद, किरपान मारकर कर डाली एक की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

लुधियाना/यूटर्न/28 जुलाई। डेहलों स्थित बाहरला गुरुद्वारा साहिब में मीरी-पीरी दिवस के समागम के दौरान लंगर हाल में दो

निहंग सिंहों के बीच विवाद हो गया। इस दौरान एक निहंग सिंह ने दूसरे की गर्दन पर किरपान से हमला कर उसे गंभीर रुप से जख्मी कर दिया। जिसे प्रबंधक कमेटी द्वारा अस्पताल पहुंचाया गया। लेकिन वहां पहुंचने पर डॉक्टरों ने उसे मृतक घोषित कर दिया। मृतक की पहचान सोनू के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही थाना डेहलों की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने ग्रंथी जसवीर सिंह के बयानों पर आरोपी सोहण सिंह के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। जानकारी देते हुए शिकायतकर्ता ने बताया कि वह गुरुद्वारा साहिब में ग्रंथी है। 26 जुलाई को गुरुद्वारा साहिब में श्री अखंड पाठ साहिब के भोग डाले गए थे। इस समागम में गांव के लोग, बाहरी संगत और दल पंथ के सिंह भी मौजूद थे। रात को करीब 9 बजे संगत लंगर हॉल में बैठकर प्रसादा छक्क रही थी।

गालियां देने पर हुआ विवाद

शिकायतकर्ता ने बताया कि इस दौरान मृतक सोनू दल पंथ के साथ आया हुआ था। वहीं आरोपी सोहन सिंह भी दल पंथ के साथ समागम में आया था। रात को सोनू ऊंची ऊंची गालियां देते हुए लंगर हॉल में घुस गया। जिसे सोहन सिंह ने गालियां देने से रोका। लेकिन वह नहीं रुका। जिसके बाद सोहन सिंह ने किरपान से उसकी गर्दन पर वार किया। जिससे उसकी मौत हो गई।

बीसीएम स्कूल में 'ईच वन प्लांट वन' अभियान के तहत पौधारोपण

लुधियाना/यूटर्न/28 जुलाई। पर्यावरण संरक्षण और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जन जागृति संघ (टीम जेजेएस-एनजीओ) ने बीसीएम शास्त्री नगर स्कूल में ₹ईच वन प्लांट वन₹ एवं ₹ग्रो योर ओन फूड₹ अभियान के तहत पौधारोपण एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर में फल, फूल और सब्जियों के विभिन्न पौधे लगाए गए तथा विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता और घरों में फल-सब्जियां उगाने के लिए प्रेरित किया गया। टीम जेजेएस के सदस्यों ने कहा कि यदि प्रत्येक व्यक्ति कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी नियमित देखभाल करे, तो आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ, हरित और स्वस्थ वातावरण दिया जा सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों से प्रकृति के संरक्षण को अपनी दैनिक जीवनशैली का हिस्सा बनाने का आह्वान किया।

विद्यालय की प्रिंसिपल अनुजा कौशल और स्कूल प्रबंधन ने संस्था के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम बच्चों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता, जिम्मेदारी और संवेदनशीलता विकसित करते हैं। इस अवसर पर मैडम विप्रा काले के विशेष सहयोग की भी सभी ने प्रशंसा की। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों और शिक्षकों ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। टीम जेजेएस के डॉ. पुनीत गुप्ता और भानू गुप्ता ने भविष्य में भी शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जागरूकता से जुड़े जनहितकारी अभियान लगातार जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया।

15 साल पुराने 1.62 करोड़ के फर्जी बिल घोटाले में पूर्व एक्सईएन को पांच साल की सजा

मोहाली की सीबीआई अदालत का फैसला, फर्जी हस्ताक्षरों से बीडीए से कराई थी राशि जारी

अदालत बोली- फर्जी बिलों पर सरकारी धन निकलवाना ही भ्रष्टाचार का प्रमाण

मोहाली/यूटर्न/28 जुलाई। करीब 15 साल पुराने 1.62 करोड़ के फर्जी रनिंग बिल घोटाले में मोहाली स्थित सीबीआई की विशेष अदालत ने पंजाब लोक निर्माण विभाग (बी एंड आर) के पूर्व कार्यकारी अभियंता (एक्सईएन) जोगिंदर सिंह को दोषी करार देते हुए पांच साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने विभिन्न धाराओं के तहत कारावास के साथ जुमार्ना भी लगाया है। हालांकि सभी सजाएं एक साथ चलेंगी।

विशेष सीबीआई न्यायाधीश बलजिंदर सिंह सरा ने आरोपी को भारतीय दंड संहिता की धारा 420, 467, 468 और 471 के अलावा भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 13(1)(डी) सहपठित धारा 13(2) के तहत दोषी ठहराया। अदालत ने धारा 420 और 467 के तहत पांच-पांच वर्ष, धारा 468 और 471 के तहत तीन-तीन वर्ष और भ्रष्टाचार निवारण

अधिनियम के तहत तीन वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई। साथ ही विभिन्न धाराओं के तहत जुमार्ना भी लगाया गया।

अभियोजन के अनुसार मई 2011 में जोगिंदर सिंह को बठिंडा विकास प्राधिकरण (बीडीए) की ओर से मानसा में चल रहे विकास कार्यों की अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंपी गई थी। आरोप है कि इसी दौरान सडक निर्माण कार्य का फर्जी दूसरा रनिंग बिल तैयार कराया गया, जिस पर सब-डिवीजनल इंजीनियर और जूनियर इंजीनियर के जाली हस्ताक्षर कर 1.62 करोड़ की राशि बीडीए से जारी करवा ली गई।

सुनवाई के दौरान अदालत ने पाया कि विवादित बिल न तो मेजरमेंट बुक से मेल खाते थे और न ही उन्हें लेखा शाखा से नियमानुसार पारित कराया गया था। इसके अलावा कार्य की मात्रा भी वास्तविक से अधिक दर्शाई गई थी। अदालत ने अपने फैसले में कहा कि फर्जी बिलों के आधार पर सरकारी धन जारी कराना अपने आप में धोखाधड़ी और भ्रष्टाचार का स्पष्ट प्रमाण है।

18 गवाहों और दस्तावेजी साक्ष्यों से साबित हुआ मामला

मुकदमे के दौरान अभियोजन पक्ष ने 18 गवाह पेश किए। इनमें सब-डिवीजनल इंजीनियर, जूनियर इंजीनियर, लेखा अधिकारी, विभागीय कर्मचारी, विजिलेंस अधिकारी और अभियोजन की स्वीकृति देने वाले अधिकारी शामिल थे। एसडीई विनोद कुमार और जेई प्रमोद कुमार ने अदालत को बताया कि विवादित बिल उन्होंने तैयार नहीं किए थे और उन पर किए गए हस्ताक्षर भी उनके नहीं थे। जेई ने यह भी कहा कि उनके द्वारा तैयार किया गया वास्तविक बिल 73.10 लाख का था, जबकि भुगतान के लिए प्रस्तुत बिल अलग और फर्जी था। अदालत ने बचाव पक्ष की इस दलील को भी खारिज कर दिया कि बाद में राशि का समायोजन होने से सरकार को कोई नुकसान नहीं हुआ। अदालत ने कहा कि फर्जी बिलों के आधार पर सरकारी धन जारी कराने का अपराध उसी समय पूरा हो गया था। इसलिए बाद में राशि समायोजित हो जाने से आरोपी को कानूनी राहत नहीं मिल सकती। साथ ही अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि रिकॉर्ड पर उपलब्ध दस्तावेजी और मौखिक साक्ष्य दोष सिद्ध करने के लिए पर्याप्त हैं।

पावरकॉम की हठधर्मिता के खिलाफ भड़के CH बिजली कर्मचारी

जगरांव में जोरदार प्रदर्शन, संघर्ष तेज करने की चेतावनी

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/28/जुलाई। पंजाब के पावरकॉम और ट्रांसको ठेका कर्मचारी यूनियन के आह्वान पर आज जगरांव बिजली मंडल कार्यालय के बाहर उक्त बिजली कर्मचारियों ने अनिश्चितकालीन हड़ताल के तहत रोष प्रदर्शन किया। इस दौरान कर्मचारियों ने पावरकॉम प्रबंधन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और अपनी लंबित मांगों को लेकर हुंकार भरी। प्रदर्शन में टेक्निकल सर्विसिज यूनियन ने भी डिवीजन प्रधान अवतार सिंह क्लेर की अगुवाई में विशेष तौर पर शिरकत कर अपना समर्थन दिया।

प्रमुख मांगें और यूनियन का पक्ष

रोष धरने को संबोधित करते हुए उक्त कर्मचारियों के डिवीजन प्रधान अमनप्रीत सिंह मल्ली ने पावरकॉम प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि, ठेका कर्मचारियों को पहचान पत्र (आईडियां) जारी नहीं किए जा रहे हैं।

बकाया चल रहे उक्त कर्मचारियों को अब तक ऑफर लेटर नहीं दिए गए हैं।

जिन कुछ साथियों को ऑफर लेटर मिल चुके हैं, उन्हें विभागों में ज्वाइन नहीं करवाया जा रहा है।

मल्ली ने चेतावनी देते हुए कहा कि प्रबंधन की इन टालमटोल वाली नीतियों के कारण कर्मचारियों में भारी गुस्सा और रोष व्याप्त है। यदि पावरकॉम प्रबंधन ने जल्द से जल्द ठेका कर्मचारियों की इन मांगों को मानकर लागू नहीं किया, तो आने वाले दिनों में संघर्ष को और अधिक तीव्र किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी पंजाब सरकार और पावरकॉम प्रबंधन की होगी।

प्रदर्शन के दौरान प्रमुख उपस्थिति

इस उग्र रोष प्रदर्शन के दौरान प्रबंधन के खिलाफ तीखी नारेबाजी की गई। इस अवसर पर अवतार सिंह क्लेर, भूपिंदर सिंह सेखों, कुलदीप सिंह मलक, अवतार सिंह 'भीपा क्लेर', राम चंद्र, जोगिंदर सिंह सिद्धवां बेट, संदीप सिंह सिद्धवां खुर्द, सिमरनजीत सिंह सिटी जगरावं, गुरिंदर सिंह डांगियां, शिव कुमार स्टोर जगरावं, जसविंदर सिंह, हरप्रीत सिंह, गुरमीत सिंह और किरनदीप सिंह समेत बड़ी संख्या में बिजली कर्मचारी उपस्थित रहे।

डोप टेस्ट में पॉजिटिव मिला युवक, एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज

जीरकपुर/यूटर्न/28 जुलाई। ढकोली थाना पुलिस ने नशा सेवन के मामले में एक युवक के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 27 के तहत मामला दर्ज किया है। आरोपी की पहचान 22 वर्षीय प्रिंस भारद्वाज निवासी आशियाना कॉलोनी, सेक्टर-20, पंचकूला के रूप में हुई है। युवक का डोप टेस्ट पॉजिटिव आने के बाद पुलिस ने यह कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार एएसआई भूपिंदर सिंह अपनी टीम के साथ क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। जब पुलिस टीम ढकोली सब्जी मंडी के निकट रेलवे गेट के पास पहुंची तो एक युवक संदिग्ध अवस्था में पैदल आता दिखाई दिया। पूछताछ के दौरान उसकी हालत नशे में प्रतीत हुई। पुलिस का दावा है कि युवक ने नशा करने की बात भी स्वीकार की। इसके बाद पुलिस उसे सिविल अस्पताल, ढकोली ले गई, जहां चिकित्सकीय जांच के लिए डोप टेस्ट कराया गया। मेडिकल रिपोर्ट में युवक के शरीर में मॉर्फिन, ट्रामाडोल और बेंजोडायजेपाइन की मौजूदगी पाई गई। रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 27 के तहत एफआईआर दर्ज कर ली। थाना पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है। यह पता लगाया जा रहा है कि आरोपी ने नशीले पदार्थ कहां से प्राप्त किए और क्या इस मामले में अन्य लोगों की भी संलिप्तता है। जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

खुले गड्ढे में धंसा ई-रिक्शा, अधूरे विकास कार्यों पर फिर उठे सवाल

जीरकपुर/यूटर्न/28 जुलाई। मानसून के बीच जीरकपुर में नगर परिषद के अधूरे विकास कार्य लोगों के लिए मुसीबत बनते जा रहे हैं। ग्रीन सिटी क्षेत्र में बरसाती पानी की निकासी के लिए खोदा

गया गहरा गड्ढा मंगलवार सुबह हल्की बारिश के बाद हादसे की वजह बन गया। पानी से भरे गड्ढे में एक ई-रिक्शा धंस गया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। हालांकि चालक और सवारियां सुरक्षित रहीं, लेकिन घटना ने अधूरे विकास कार्यों और सुरक्षा इंतजामों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बारिश के कारण गड्ढे में पानी भर गया था, जिससे उसकी गहराई दिखाई नहीं दे रही थी। जैसे ही ई-रिक्शा वहां से गुजरा, उसका पहिया गड्ढे में फंस गया और वाहन बीच सड़क पर धंस गया। आसपास मौजूद लोगों ने काफी मशक्कत के बाद ई-रिक्शा को बाहर निकाला। इस दौरान कुछ समय के लिए यातायात भी प्रभावित रहा।

स्थानीय लोगों का कहना है कि शहर में बरसाती पानी की निकासी के नाम पर कई जगह सड़कें खोद दी गई हैं, लेकिन निर्माण कार्य समय पर पूरा नहीं किया जा रहा। उनका आरोप है कि हर साल मानसून शुरू होने के बाद ही ड्रेनेज व्यवस्था सुधारने की कवायद शुरू होती है, जबकि ऐसे कार्य बारिश से पहले पूरे होने चाहिए ताकि लोगों को परेशानी न उठानी पड़े। निवासियों ने कहा कि संबंधित विभाग स्थायी समाधान करने के बजाय केवल औपचारिकताएं निभा रहा है। कई बार शिकायतें देने के बावजूद खुले गड्ढों को सुरक्षित नहीं किया गया और न ही क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत कराई गई। इससे वाहन चालकों और राहगीरों की सुरक्षा लगातार खतरे में बनी हुई है। लोगों का कहना है कि प्रशासन किसी बड़े हादसे के बाद ही सक्रिय होता है।

सर्वे कर अधूरे कार्य पूरे करने की मांग

स्थानीय निवासियों ने नगर परिषद से मांग की है कि शहर की जर्जर सड़कों और चल रहे ड्रेनेज कार्यों का तत्काल सर्वे कराया जाए। खुले गड्ढों के आसपास सुरक्षा इंतजाम किए जाएं और सभी अधूरे विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए, ताकि मानसून के दौरान लोगों की जान जोखिम में न पड़े।

ऑल पंजाब आंगनवाड़ी वर्कर्स यूनियन 5 अगस्त को मुख्यमंत्री के घर पर विरोध प्रदर्शन करेगी

पंजाब सरकार आंगनवाड़ी वर्कर्स और हेल्पर्स की मांगें पूरी करे

बठिंडा (सोनू टुटेजा) आज यहां प्रेस को एक बयान जारी करते हुए, जिला अध्यक्ष गुरमीत कौर बठिंडा ने कहा कि ऑल पंजाब आंगनवाड़ी वर्कर्स यूनियन द्वारा अपनी सही और जायज मांगों के लिए चल रहे संघर्ष के तहत, 5 अगस्त को संगरूर में मुख्यमंत्री श्री भगवंत सिंह मान के घर के सामने विरोध प्रदर्शन किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में आंगनवाड़ी वर्कर और हेल्पर भाग लेंगे। आंगनवाड़ी वर्कर और हेल्पर्स की मांग है कि आंगनवाड़ी केंद्रों से छीने गए बच्चों को वापस

आंगनवाड़ी केंद्रों में भेजा जाए और आंगनवाड़ी वर्कर को प्री-नर्सरी टीचर का दर्जा दिया जाए और हेल्पर को फोर्थ-ग्रेड कर्मचारी घोषित किया जाए। सरकारी कर्मचारी का दर्जा दिया जाए, पंजाब सरकार अपने वादे के मुताबिक आंगनवाड़ी वर्करों और हेल्परों का मानदेय दोगुना करे, NGOs के सहारे चल रहे तीन ब्लॉकों का नोटिफिकेशन तुरंत लागू किया जाए, आंगनवाड़ी सेंटरों को सप्लाई किया जा रहा घटिया क्वालिटी का राशन बंद किया जाए और प्राइवेट कंपनियों और NGOs की जगह सीधे आंगनवाड़ी सेंटरों को राशन सप्लाई किया जाए और आंगनवाड़ी सेंटरों में राशन पकाया जाए। आंगनवाड़ी वर्करों को रिटायरमेंट पेंशन दी जाए, आंगनवाड़ी वर्कर हेल्परों को दी जा रही एक्स ग्रेशिया ग्रांट वर्करों के लिए 3 लाख और हेल्परों के लिए 2 लाख रुपये की जाए, आंगनवाड़ी वर्करों और हेल्परों को सुप्रीम कोर्ट के फैसले के मुताबिक ग्रेच्युटी का फायदा दिया जाए, आंगनवाड़ी हेल्पर से वर्कर के पद पर प्रमोशन के लिए पढ़ाई और मैट्रिक और अनुभव का समय तीन साल किया जाए।

वार्ड 30, 32 और 34 में आम आदमी पार्टी को मिला बड़ा जनसमर्थन, विभिन्न दलों के दर्जनों परिवार आप में शामिल

सोनू टुटेजा

बठिंडा/यूटर्न/28 जुलाई। नगर निगम के वार्ड नंबर 30, 32 और 34 में आम आदमी पार्टी (आप) को उस समय बड़ी मजबूती मिली, जब विभिन्न राजनीतिक दलों से जुड़े अनेक कार्यकर्ताओं और दर्जनों परिवारों ने पार्टी की नीतियों से प्रभावित होकर आम आदमी पार्टी का दामन थाम लिया। अलग-अलग आयोजित कार्यक्रमों में पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन (पीसीए) के प्रधान श्री अमरजीत मेहता ने सभी नए सदस्यों का पार्टी का झंडा पहनाकर भव्य स्वागत किया और उन्हें विधिवत पार्टी में शामिल करवाया। वार्ड नंबर 30 में पार्षद श्री रतन राही, पार्षद श्रीमती राजिंदर कौर तथा वरिष्ठ नेता श्री बलदेव सिंह की अगुवाई में आयोजित

दो अलग-अलग कार्यक्रमों में विभिन्न राजनीतिक दलों से जुड़े दर्जनों परिवारों ने आम आदमी पार्टी में शामिल होने की घोषणा की। पार्टी नेताओं ने नए साथियों का स्वागत करते हुए विश्वास जताया कि उनके जुड़ने से संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूती मिलेगी। इसी क्रम में ब्लॉक प्रधान श्री प्रेम गर्ग की अगुवाई में वार्ड नंबर 32 से श्री अंकुर गर्ग व वार्ड नंबर 34 से श्री शाम लाल वर्मा ने अपने परिवारों तथा दर्जनों साथियों के साथ आम आदमी पार्टी में शामिल होकर पार्टी नेतृत्व के प्रति विश्वास व्यक्त किया।

सीवरेज में सफाई के लिए उतरे 2 युवकों की जहरीली गैस चढ़ने से मौत, पुलिस ने शुरू की जांच

पटियाला/यूटर्न/28 जुलाई। पटियाला के दीप नगर इलाके में मंगलवार को दर्दनाक हादसा हो गया। एक मकान की सीवरेज लाइन साफ करते समय जहरीली गैस की चपेट में आने से दो युवकों की मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में शोक की लहर फैल गई है, वहीं मृतकों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। जानकारी के अनुसार, दोनों युवक बेरोजगार थे और निजी तौर पर लोगों के घरों में सीवरेज व नालियों की सफाई का काम करते थे। आज वे एक मकान की मुख्य सीवरेज लाइन साफ करने के लिए अंदर उतरे थे। इसी दौरान जहरीली गैस की चपेट में आने से दोनों की मौके पर ही मौत हो गई।

शवों को कब्जे में लेकर कार्रवाई शुरू...फिलहाल पुलिस और संबंधित विभागों के अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है। गौरतलब है कि नगर निगम के

पास सीवरेज सफाई के लिए नियमित और ठेके पर कर्मचारी उपलब्ध हैं, लेकिन इसके बावजूद कई लोग निजी तौर पर ऐसे काम करवाते हैं। इसी दौरान दीप नगर में यह दर्दनाक हादसा हो गया।

एक 'प्रधान' को हटाकर आपने एक 'प्रधानमंत्री' को बचाया

भारतीय राजनीति ने आखिरकार संकट से निपटने का अपना सबसे पुराना तरीका फिर से खोज लिया है: जब प्रेशर कुकर की सीटी बहुत जोर से बजने लगे, तो स्टोव नहीं, बल्कि उसका गैस्केट बदल देना चाहिए। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने संसद में इससे बेहतर बात नहीं कही हो सकती थी: ₹आपने एक 'प्रधान' को हटाकर एक 'प्रधानमंत्री' को बचाया।₹ एक ही वाक्य में उन्होंने कैबिनेट के पसंदीदा 'फायर एक्सटिंग्विशर' (आग बुझाने वाले यंत्र) यानी मंत्री की बलि देने की बात कह दी। हर सरकार का यही कहना होता है कि मंत्रियों को प्रधानमंत्री का पूरा भरोसा हासिल है।

संदीप शर्मा, सम्पादक

लेकिन इस भरोसे की भी एक 'वारंटी' होती है: यह तब तक ही मान्य है जब तक विरोध की आवाजें टीवी डिबेट के शोर से ज्यादा तेज न हो जाएं। धर्मेंद्र प्रधान अब भारतीय राजनीति के एक खास क्लब 'ह्यूमन एयरबैग एसोसिएशन' का हिस्सा बन गए हैं। उनका काम बहुत सीधा है: झटके को खुद झेल लेना ताकि ड्राइवर को झटका महसूस न हो। सरकारें हमेशा मंत्रियों की बलि नहीं देतीं; कभी-कभी यही उनका काम होता है।

इस सिस्टम की खूबी इसकी कार्यक्षमता है। जनता का गुस्सा? मंत्री बदल दो। मीडिया का हंगामा? मंत्री बदल दो। विपक्ष को बढ़त मिल रही है? तो पक्का मंत्री बदल दो। यह ठीक वैसा ही है जैसे वाई-फाई राउटर बंद कर देना और उम्मीद करना कि सारी तकनीकी दिक्कतें गायब हो जाएंगी। इस इस्तीफे से भविष्य के मंत्रियों को भी एक उत्साहजनक संदेश मिलता है: आप तब तक ही अपरिहार्य (जरूरी) हैं, जब तक आप हैं। अब कैबिनेट की बैठकों के साथ भी निवेश उत्पादों जैसा डिस्क्लेमर होना चाहिए: आपकी कुर्सी बाजार के उतार-चढ़ाव पर निर्भर है।

बेशक, हर कोई जश्न मनाता है। प्रदर्शनकारी जीत का दावा करते हैं। विपक्ष जवाबदेही का दावा करता है। सरकार तेजी से कार्रवाई का दावा करती है। टीवी चैनल दावा करते हैं कि ₹लोकतंत्र ने अपना काम किया।₹ बस एक ही अजीब सवाल हवा में लटका रह जाता है: क्या उस समस्या का असल में समाधान हुआ है जिसकी वजह से इस्तीफा देना पड़ा ? क्योंकि शास्त्री भवन के बाहर नेमप्लेट बदलना, उसके अंदर के सिस्टम को बदलने से कहीं ज्यादा आसान है। भारत ने राजनीतिक सॉफ्टवेयर अपडेट की कला में महारत हासिल कर ली है। मंत्री का 'वर्जन 2.0' इंस्टॉल कर दिया जाता है, जबकि ऑपरेटिंग सिस्टम शानदार ढंग से वैसा ही बना रहता है। बग्स (खामियों) को 'इक्की-दुक्की घटनाएं' का नाम दे दिया जाता है, पैच (सुधार) की घोषणा बड़े धूमधाम से की जाती है, और अगला संकट अपनी बारी का सब्र से इंतजार करता है। असली कमाल 'दिखावे' (ऑप्टिक्स) में है। इस्तीफे से यह तसल्ली देने वाला भ्रम पैदा होता है कि जवाबदेही तय हो गई है। यह राजनीति में ठीक वैसा ही है जैसे किसी बुरे सीजन के बाद कप्तान को तो बदल दिया जाए, लेकिन सेलेक्टर, रणनीति और ड्रेसिंग रूम वही पुराने रखे जाएं। अखिलेश का तंज सिर्फ.शब्दों का खेल नहीं था; यह एक 'यूजर मैनुअल' था। अगर प्रधानमंत्री 'ब्रांड' हैं, तो मंत्री बदली जा सकने वाली 'पैकेजिंग' हैं। प्रोडक्ट को तो टिके रहना ही है, भले ही रैपर बदल जाए। तो हाँ, संसद ने शायद इस सत्र की सबसे यादगार बात सुनी। आपने एक 'प्रधान' को हटाकर एक 'प्रधानमंत्री' को बचा लिया। भारतीय राजनीति में, यह सिर्फ. शब्दों का खेल नहीं है। यह आपदा प्रबंधन का आधिकारिक प्रोटोकॉल है।

ऑल इंडिया पुलिस गेम्स में चंडीगढ़ पुलिस का दमदार प्रदर्शन, 10 पदक जीतकर बढ़ाया मान

हैदराबाद में आयोजित 11वें ऑल इंडिया पुलिस गेम्स-जूडो क्लस्टर 2026 में वुशु ताइक्वांडो और पेंचक सिलाट में खिलाड़ियों ने दिखाया शानदार प्रदर्शन, डीजीपी डॉ. सागरप्रीत हुड्डा ने दी बधाई

चंडीगढ़/यूटर्न/28 जुलाई। चंडीगढ़ पुलिस ने हैदराबाद में आयोजित 11वें ऑल इंडिया पुलिस गेम्सझ्रजूडो क्लस्टर 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 10 पदक अपने नाम किए हैं। प्रतियोगिता में चंडीगढ़ पुलिस के 16 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया और वुशु, ताइक्वांडो तथा पेंचक सिलाट स्पधार्ओं में बेहतरीन प्रदर्शन कर विभाग का नाम रोशन किया।

वुशु प्रतियोगिता में कांस्टेबल हरीश ने 85 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। लेडी कांस्टेबल अंजू कुमारी ने 52 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक हासिल किया, जबकि लेडी कांस्टेबल ऋतु (70 किग्रा) और कांस्टेबल शरदानंद (90 किग्रा) ने कांस्य पदक अपने नाम किए।

ताइक्वांडो स्पर्धा में लेडी कांस्टेबल सोनम ने स्वर्ण पदक जीतकर शानदार प्रदर्शन किया। पेंचक सिलाट में चंडीगढ़ पुलिस का दबदबा देखने को मिला। लेडी कांस्टेबल सोनिया ने सोलो इवेंट में स्वर्ण पदक जीता, जबकि लेडी कांस्टेबल सिमरन और ऋतु (75 किग्रा) ने भी स्वर्ण पदक हासिल किए। कांस्टेबल संजीत ने 75 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक जीता, वहीं लेडी कांस्टेबल चांदनी ने 60 किलोग्राम वर्ग में कांस्य पदक अपने नाम किया।

चंडीगढ़ पुलिस टीम ने हेड कांस्टेबल संदीप कुमार के मार्गदर्शन में प्रतियोगिता में भाग लिया। उनकी प्रभावी कोचिंग, सुनियोजित रणनीति और खिलाड़ियों का निरंतर उत्साहवर्धन टीम की इस उल्लेखनीय सफलता का अहम आधार रहा।

इस उपलब्धि पर चंडीगढ़ पुलिस के डीजीपी डॉ. सागरप्रीत हुड्डा ने सभी पदक विजेता खिलाड़ियों और कोच को बधाई देते हुए कहा कि खिलाड़ियों की मेहनत, अनुशासन और समर्पण ने पूरे विभाग को गौरवान्वित किया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि चंडीगढ़ पुलिस के खिलाड़ी भविष्य में भी राष्ट्रीय स्तर पर इसी तरह उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विभाग और शहर का नाम रोशन करते रहेंगे।

राख से उठकर फिर उड़ी नायरा खान: 'अब अपनी पहचान के साथ जी रही हूं'

प्यार में मिले धोखे, परिवार के लिए की शादी, अमेरिका से लौटकर चुनी अपनी असली पहचान

चंडीगढ़/यूटर्न/28 जुलाई। चंडीगढ़ में जन्मी और पली-बढ़ी नायरा खान की जिंदगी किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। बचपन से ही खुद को लड़के के शरीर में होने के बावजूद एक लड़की की तरह महसूस करने वाली नायरा ने सामाजिक दबाव, असफल रिश्ते, शादी, तलाक और पहचान के संघर्ष के बीच आखिरकार खुद को स्वीकार किया। आज वह एक नर्स, सिंगर, परफॉर्मर और मॉडल के रूप में अपनी नई पहचान के साथ जीवन जी रही हैं।

नायरा बताती हैं कि बचपन से उन्हें लड़कियों की तरह कपड़े पहनना, घर-घर खेलना और दुल्हन बनना पसंद था। वहीं से उनकी जिंदगी की अलग शुरूआत हुई। हालांकि उस समय उन्हें यह समझ नहीं था कि उनकी वास्तविक पहचान क्या है।

जेट एयरवेज से करियर की शुरूआत

साल 2006 में नायरा ने जेट एयरवेज में केबिन क्रू के रूप में नौकरी शुरू की। इसी दौरान उनकी मुलाकात एक युवक से हुई और दोनों रिलेशनशिप में आ गए। लेकिन इसी बीच उनकी मां का निधन हो गया, जिसके बाद वह वापस चंडीगढ़ आ गईं। कुछ समय बाद यह रिश्ता भी टूट गया।

नर्सिंग की पढ़ाई और दूसरा रिश्ता

2010 में उन्होंने नर्सिंग में दाखिला लिया। पढ़ाई के दौरान 2012 में उनकी मुलाकात कुनाल नाम के युवक से हुई। दोनों करीब दो साल तक रिश्ते में रहे, लेकिन धोखा मिलने के बाद यह रिश्ता भी खत्म हो गया। इसके बाद उन्होंने फैसला किया कि अब किसी लड़के के साथ रिश्ते में नहीं आएंगी।

परिवार के लिए की शादी, लेकिन रिश्ता नहीं चला

नायरा बताती हैं कि परिवार की इच्छा पर उन्होंने 2014 में एक युवती से शादी की और अमेरिका चली गईं। उस समय वह पूरी तरह पुरुष की पहचान के साथ रह रही थीं। लेकिन कुछ वर्षों बाद उनकी पत्नी ने भी उन्हें धोखा दिया। नायरा ने अमेरिका में स्थायी जीवन का प्रस्ताव ठुकराकर 2018 में भारत लौटने का फैसला किया। वह कहती हैं, 'जब एयरपोर्ट पर उतरी तो मैंने अपने पिता से सिर्फ इतना कहा कि अब मैं अपनी मर्जी से जिंदगी जीऊंगी। उन्होंने कुछ नहीं कहा, सिर्फ आंखों में आंसू लेकर मेरा साथ दिया।'

तलाक के बाद मिली अपनी असली पहचान

भारत लौटने के बाद नायरा ने पहली बार खुद को पूरी तरह स्वीकार किया। उन्होंने अपनी महिला पहचान को अपनाया और अपना नाम नायरा खान रखा। 'खान' उपनाम उन्होंने अपनी दादी मैरी खान की याद में रखा, जिनसे उन्हें बेहद लगाव था।

संगीत कभी नहीं छोड़ा

नायरा का कहना है कि उनका पहला सपना हमेशा सिंगर बनने का था। उनके पिता संगीत जानते थे और उसी माहौल में उन्होंने संगीत सीखा। चर्च से गायन की शुरूआत हुई। बाद में रेडियो मिर्ची पर प्रस्तुति दी, मॉडलिंग की, विज्ञापनों में काम किया और कई मंचों पर परफॉर्म किया। अमेरिका जाने और निजी जिम्मेदारियों के कारण यह सफर रुक गया, लेकिन खत्म नहीं हुआ। अब करीब 15 साल बाद उन्होंने फिर से स्टेज पर वापसी की है। वह इसे अपनी जिंदगी का 'पुनर्जन्म' मानती हैं।

पिता का मिला सबसे बड़ा साथ

नायरा के पिता भारतीय सेना से सेवानिवृत्त हैं और बाद में डाक विभाग में कार्यरत रहे। मां का निधन 2008 में हो गया था। नायरा कहती हैं कि तलाक के बाद उनके पिता ने बिना किसी शर्त के उन्हें स्वीकार किया और यही उनके जीवन का सबसे बड़ा सहारा बना।

LGBTQ समुदाय के लिए संदेश

नायरा का मानना है कि हर व्यक्ति को अपनी पहचान के साथ जीने का अधिकार है। 'कभी भी समाज के दबाव में खुद को मत खो देना। मैंने परिवार के लिए शादी की, लेकिन अपनी पहचान खो बैठी। मैं नहीं चाहती कि कोई और वही गलती करे।' वह कहती हैं कि लोगों द्वारा 'छक्का', 'हिजड़ा' जैसे अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल गलत है। उनका संदेश है कि ऐसे लोगों की बातों को नजरअंदाज करें और अपनी अहमियत खुद पहचानें।

समुदाय के भीतर भी जिम्मेदारी जरूरी

नायरा का कहना है कि LGBTQ समुदाय के कुछ लोगों की गलत गतिविधियों की वजह से पूरे समुदाय की छवि प्रभावित होती है। उनका मानना है कि व्यक्तिगत आजादी का सम्मान होना चाहिए, लेकिन ऐसी गतिविधियों से बचना चाहिए जिनसे पूरे समुदाय पर नकारात्मक असर पड़े।

'हर पार्टी इंसानों की पार्टी है'

LGBTQ पार्टियों को लेकर पूछे गए सवाल पर नायरा ने कहा कि आज के दौर में समाज काफी बदल रहा है। 'मेरे लिए कोई स्ट्रेट पार्टी या LGBTQ पार्टी नहीं होती। जहां लोग प्यार और सम्मान के साथ मिलते हैं, वही असली पार्टी है। जागरूकता पहले से काफी बढ़ी है और इसका श्रेय उन लोगों को जाता है जिन्होंने वर्षों तक बराबरी की लड़ाई लड़ी।'

'मैं फीनिक्स हूं'

अपने नए सफर पर नायरा कहती हैं, 'मैं फीनिक्स की तरह हूं। प्यार के पीछे सब कुछ खो दिया था, लेकिन अब राख से दोबारा उठी हूं। उम्मीद है कि एक दिन सितारों में अपना नाम जरूर बनाऊंगी।' संघर्ष, असफल रिश्तों और सामाजिक दबावों से गुजरने के बाद नायरा खान आज अपनी पहचान, अपने संगीत और अपने सपनों के साथ एक नई शुरूआत कर चुकी हैं। उनके लिए यह सिर्फ करियर की वापसी नहीं, बल्कि अपनी असली पहचान के साथ जीने का दूसरा जन्म है।

30 जुलाई को मुकम्मल बंद का ऐलान

सफाई सेवकों के समर्थन में उतरीं एक दर्जन से अधिक जत्थेबंदियां

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/28/जुलाई। पंजाब भर में सफाई सेवकों, सीवरमैनों, म्यूनिसिपल कर्मियों, मालियों और बेलदारों का संघर्ष अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच गया है। पिछले 8 जुलाई से लगातार जारी हड़ताल के बावजूद सरकार और यूनियन के बीच मांगों का कोई ठोस हल नहीं निकला है। इसी के विरोध में सफाई सेवक यूनियन पंजाब द्वारा 30 जुलाई को पंजाब बंद का ऐलान किया गया है, जिसके समर्थन में जगरांव की एक दर्जन से अधिक प्रमुख जत्थेबंदियों ने नगर परिषद पहुंचकर अपनी एकजुटता का स्पष्ट संदेश दिया है।

30 जुलाई को रहेगा जगरांव पूरी तरह बंद

सफाई सेवक यूनियन के जिला प्रधान अरुण गिल ने ऐलान किया है कि 30 जुलाई को जगराओं शहर में मुकम्मल बंद रखा जाएगा। इस दौरान हजारों की संख्या में सफाई सेवक, म्यूनिसिपल कर्मचारी, सीवरमैन, इलेक्ट्रीशियन और विभिन्न इंसाफ पसंद संगठनों के नुमाइंदे सड़कों पर उतरेंगे। यूनियन ने शहर के दुकानदारों और व्यापारियों से अपील की है कि वे सफाई सेवकों की जायज मांगों के समर्थन में 30 जुलाई को अपनी दुकानें और व्यापारिक प्रतिष्ठान स्वेच्छा से बंद रखें, ताकि सरकार तक एक मजबूत और एकजुट संदेश पहुंच सके।

प्रमुख मांगें जिन पर अड़े हैं कर्मचारी

ठेका प्रणाली समाप्त हो: ठेकेदारी प्रथा को पूरी तरह खत्म कर कर्मचारियों को सीधे अनुबंध (कॉन्ट्रैक्ट) पर रखा जाए और कच्चे कर्मचारियों को पक्का किया जाए।

वेतन विसंगति दूर हो: नाममात्र 10,000 रुपये के शुरूआती वेतन में सम्मानजनक और भारी बढ़ोतरी की जाए।

पुरानी पेंशन बहाली: कर्मचारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए पुरानी पेंशन योजना (डढर) को तुरंत बहाल किया जाए।

सेवा नीति में बदलाव: कर्मचारियों को पक्का करने की 10 साल की शर्त को रद्द करके इसे दोबारा 3 साल किया जाए।

बरनाला लाठीचार्ज पर कार्रवाई: बरनाला में शांतमई धरने के दौरान सफाई कर्मियों पर हुए कथित पुलिस तशद्दुद के दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई हो।

बैठक में इन प्रमुख नेताओं ने दी उपस्थिति

इस दौरान विभिन्न संगठनों के दिग्गज नेता और प्रतिनिधि विशेष रूप से मौजूद रहे :

- इंदरजीत सिंह धालीवाल (जिला सचिव, भाकियू एकता डकौंदा)
- मास्टर गुरमेल सिंह रूमी (प्रधान, जम्हूरी किसान सभा)
- मास्टर अशोक भंडारी (प्रधान, सांझा पेंशनर फ्रंट)
- बलविंदर सिंह पटवारी एवं अवतार सिंह बिल्ला (रोडवेज पेंशनर्स एसोसिएशन)
- मास्टर अवतार सिंह (प्रधान, नगर सुधार सभा)
- देवराज (गल्ला मजदूर यूनियन)
- मदन सिंह (ग्रामीण मजदूर यूनियन मशाल)
- कुलवंत सिंह सहोता (सफाई सेवक यूनियन)।

'हक की लड़ाई में शहरवासी रखें दुकानें बंद'

अकाली नेता सुखपाल सिंह 'सुक्खी' समेत 5 पर केस दर्ज

घर में घुसकर मारपीट और कब्जे के प्रयास का सनसनीखेज मामला

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/28/जुलाई। लुधियाना ग्रामीण के थाना सदर जगरांव की पुलिस ने एक युवती की शिकायत पर अकाली नेता सुखपाल सिंह उर्फ सुक्खी और उनकी पत्नी समेत पांच लोगों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया है। आरोपियों पर घर में जबरन घुसकर मारपीट, तोड़फोड़ और संपत्ति पर कब्जा करने की कोशिश का आरोप है।

लापता पिता: पीड़िता सुखमप्रीत कौर के पिता गुरप्रीत सिंह (बैंक स्वीपर) 16 जुलाई से रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हैं।

हमला और तोड़फोड़: 21 जुलाई की रात आरोपियों ने घर में घुसकर सामान बाहर फेंक दिया, तोड़फोड़ की और परिवार को जान से मारने की धमकी दी।

कब्जे की कोशिश: साझी दीवार तोड़कर घर पर कब्जा करने का प्रयास किया गया, जिसमें विरोध करने पर पीड़िता के सिर पर गंभीर चोट आई।

पुलिस कार्रवाई: पंचायतों के विरोध और एसएसपी डॉ. अंकुर गुप्ता के हस्तक्षेप के बाद, पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। जांच अधिकारी एएसआई राकेश कुमार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रहे हैं।

जनहित समिति ने आईटीआई में लगाए 50 फलदार पौधे

पटियाला/यूटर्न/28 जुलाई। जनहित समिति (रजि.) पटियाला ने अध्यक्ष एसके गौतम और महासचिव स्टेट अवार्डी विनोद कुमार शर्मा के नेतृत्व में सरकारी आईटीआई (लड़के), नाभा रोड-मॉडल टाउन में पर्यावरण संरक्षण और हरियाली बढ़ाने के उद्देश्य से पौधारोपण अभियान शुरू किया।

प्रधानाचार्य राकेश कुमार बंगा की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में करीब 50 फलदार पौधे लगाए गए। समारोह में प्रधानाचार्य राकेश बंगा और जिला सांझ केंद्र पटियाला पुलिस के प्रभारी सुखजिंदर सिंह बाजवा मुख्य अतिथि रहे। पौधे लगाने में संस्था सदस्य अनीता बंसल और उनके पुत्र डॉ. एके बंसल का विशेष सहयोग रहा।

राकेश बंगा और सुखजिंदर बाजवा ने कहा कि पौधे लगाने के साथ उनकी नियमित देखभाल करना भी जरूरी है।

उन्होंने प्रत्येक व्यक्ति से जीवन में कम से कम पांच पौधे लगाने और उन्हें वृक्ष बनने तक संभालने की अपील की। पर्यावरण प्रभारी अनिल खन्ना ने वृक्षों को पर्यावरण संतुलन और प्रदूषण नियंत्रण के लिए आवश्यक बताया। कार्यक्रम में शिक्षकों, विद्यार्थियों और संस्था सदस्यों ने पौधों की देखभाल करने की शपथ ली। वक्ताओं ने जनहित समिति द्वारा जरूरतमंदों को राशन, एम्बुलेंस, दवाएं, व्हीलचेयर तथा महिलाओं को मुफ्त सिलाई-कढ़ाई और कंप्यूटर प्रशिक्षण देने के प्रयासों की सराहना की।

सेक्टर-52 में दो युवकों से मारपीट, तीन आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज

- 24 जुलाई को हुए हमले में गौतम और उसका दोस्त विपुल घायल, सेक्टर-36 थाना पुलिस जांच में जुटी

चंडीगढ़/यूटर्न/28 जुलाई। चंडीगढ़ के सेक्टर-52 में दो युवकों के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। घटना में दोनों घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए सिविल अस्पताल, सेक्टर-45 में भर्ती कराया गया। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर तीन आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार सेक्टर-52 निवासी गौतम की शिकायत पर कृष्णा, प्रमोद और पुछी के खिलाफ सेक्टर-36 थाना में एफआईआर नंबर 118 भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराओं 126, 115, 351 और 3(5) के तहत दर्ज की गई है। शिकायत में बताया गया है कि 24 जुलाई 2026 को आरोपी कृष्णा, प्रमोद और पुछी ने गौतम और उसके दोस्त विपुल के साथ मारपीट की। हमले में दोनों को चोटें आई, जिसके बाद उन्हें इलाज के लिए सिविल अस्पताल, सेक्टर-45 ले जाया गया। सेक्टर-36 थाना पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है। पुलिस घटनास्थल और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की भूमिका की जांच कर रही है तथा आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

राशि खन्ना का ग्लैमरस लुक सोशल मीडिया पर छाया

अभिनेत्री राशि खन्ना ने अपने नए ग्लैमरस फोटोशूट से एक बार फिर फैशन प्रेमियों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। ब्लैक आउटफिट में उनका स्टाइलिश और कॉन्फिडेंट अंदाज सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। फैंस उनके एलिगेंट लुक और फिटनेस की जमकर तारीफ कर रहे हैं। राशि का यह लेटेस्ट फोटोशूट उनके फैशन सेंस को नई पहचान देता नजर आ रहा है। वर्क फ्रंट की बात करें तो राशि खन्ना के पास इस समय हिंदी और तमिल फिल्मों की कई परियोजनाएं पाइपलाइन में हैं।

यूटर्न टाइम

PoK में हिंसा: प्रदर्शनकारियों पर पाकिस्तान की कार्रवाई में 20 लोगों की मौत

चंडीगढ़/यूटर्न/28 जुलाई। मंगलवार को पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में अशांति की एक बहुत हिंसक घटना हुई। आरोप है कि सुरक्षा बलों ने इलाके में विधानसभा चुनावों का विरोध कर रहे लोगों पर गोलीबारी की। प्रदर्शनकारी समूहों का दावा है कि पिछले 24 घंटों में रावलकोट में कम से कम 20 लोग मारे गए हैं। इस हिंसा ने पहले से ही अस्थिर राजनीतिक हालात को और गंभीर बना दिया है। कार्यकताओं का आरोप है कि जून में विरोध प्रदर्शन शुरू होने के बाद से लगभग 80 लोगों की मौत हो चुकी है।

इन प्रदर्शनों का नेतृत्व 'जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी' (JAAC) कर रही है, जो चुनावों का बहिष्कार कर रही है और इस्लामाबाद पर राजनीतिक दखलंदाजी और चुनावी धांधली का आरोप लगा रही है। प्रदर्शनकारियों ने विधानसभा में आरक्षित सीटों समेत संवैधानिक व्यवस्थाओं का भी विरोध किया है और ज्यादा राजनीतिक स्वायत्तता की मांग की है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, मारे गए लोगों में JAAC के प्रवक्ता उमर नजीर कश्मीरी के भाई उस्मान नजीर भी शामिल हैं। प्रदर्शन के नेताओं का आरोप है कि कार्रवाई के दौरान पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनकारियों पर गोली चलाई, जिसमें कई अन्य लोग घायल भी हुए। इलाके में जाने पर लगी पाबंदियों के कारण हताहतों की संख्या की स्वतंत्र पुष्टि करना मुश्किल है।

ताजा हिंसा ने प्रदर्शनकारी नेताओं के उन आरोपों को और हवा दी है कि अधिकारी बढ़ते जन-असंतोष को दूर करने के लिए बातचीत के बजाय बल प्रयोग का सहारा ले रहे हैं। मानवाधिकार कार्यकताओं ने नागरिकों के हताहत होने, हिरासत में लिए जाने और संचार पर लगी पाबंदियों की खबरों पर चिंता जताई है और इन घटनाओं की निष्पक्ष जांच की मांग की है। इस बीच, पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के कई हिस्सों में सुरक्षा हालात तनावपूर्ण बने हुए हैं; अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं और सार्वजनिक सभाओं पर कड़ी नजर रखी जा रही है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि इस अशांति से चुनावी प्रक्रिया में जनता का भरोसा और कम हो सकता है और स्थानीय निवासियों व पाकिस्तानी प्रशासन के बीच भरोसे की कमी और बढ़ सकती है, जिससे बातचीत के जरिए समाधान निकालना और मुश्किल हो जाएगा। इस अशांति ने चुनावी प्रक्रिया पर भी असर डाला है; सुरक्षा कारणों से अधिकारियों ने कुछ ज़िलों में मतदान टाल दिया है। खबरों के मुताबिक कई इलाकों में इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गई हैं, जबकि कार्रवाई के बावजूद हजारों प्रदर्शनकारी मुज़फ़्फ़राबाद की ओर मार्च कर रहे हैं।

ये विरोध प्रदर्शन, जो शुरू में ज्यादा राजनीतिक प्रतिनिधित्व और चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता की मांग पर केंद्रित थे, अब एक व्यापक आंदोलन का रूप ले चुके हैं जो इस इलाके में इस्लामाबाद के शासन पर सवाल उठा रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने पाकिस्तानी प्रशासन पर गिरफ़्तारियों, अत्यधिक बल प्रयोग और नागरिक आजादी पर पाबंदियों के जरिए असहमति को दबाने का आरोप लगाया है। बढ़ते टकराव ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में मानवाधिकारों की स्थिति की ओर फिर से ध्यान खींचा है। जानकारों का कहना है कि अगर अधिकारियों और विरोध प्रदर्शन करने वाले नेताओं के बीच सार्थक बातचीत शुरू नहीं हुई, तो लगातार हिंसा इस इलाके को और अस्थिर कर सकती है।

दूध से लेकर पैकेजिंग तक का सफर

जीएचजी अकादमी के छात्रों ने किया वेरका मिल्क प्लांट का शैक्षणिक दौरा

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/28/जुलाई। किताबी ज्ञान को असल दुनिया के अनुभवों से जोड़ने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए जी.एच.जी. अकादमी, जगरांव के विद्यार्थियों ने हाल ही में वेरका मिल्क प्लांट का एक शैक्षणिक दौरा (एर्िंू३ङ्मल्लं’ ळ१स्र) किया। इस दौरे का मुख्य उद्देश्य छात्रों को डेयरी उद्योग की कार्यप्रणाली से रूबरू कराना और उन्हें क्लासरूम में पढ़ाई जाने वाली थ्योरी का प्रैक्टिकल रूप दिखाना था।

ज्ञानवर्धक और इंटरैक्टिव अनुभव

यह दौरा छात्रों के लिए बेहद रोमांचक और ज्ञानवर्धक रहा। विद्यार्थियों ने पूरी उत्सुकता के साथ प्लांट के कामकाज को देखा, प्लांट अधिकारियों से प्रासंगिक सवाल पूछे और डेयरी के व्यवस्थित संचालन की सराहना की। इस व्यावहारिक सीख (Practical Learning) से छात्रों को विज्ञान और तकनीक के असल जीवन में इस्तेमाल को समझने का बेहतरीन अवसर मिला।

अत्याधुनिक तकनीक और प्रोसेसिंग से हुए रूबरू

दौरे के दौरान विद्यार्थियों ने दूध के संकलन (Collection) से लेकर उसकी प्रोसेसिंग, पैकेजिंग, क्वालिटी टेस्टिंग और अंतत: वितरण (Distribution) तक की पूरी प्रक्रिया को बेहद करीब से देखा। प्लांट के विशेषज्ञों ने बच्चों को डेयरी उत्पादन में इस्तेमाल होने वाली आधुनिक मशीनरी और हाई-टेक तकनीक की बारीकियों के बारे में विस्तार से समझाया।

क्वालिटी कंट्रोल और स्वच्छता: दूध की शुद्धता बनाए रखने के लिए किन कड़े मानकों का पालन किया जाता है।

पोषण और स्वास्थ्य: दूध की न्यूट्रिशनल वैल्यू और हमारे दैनिक जीवन में इसके महत्व की जानकारी।

आर्थिक योगदान: किसानों को सशक्त बनाने और देश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने में डेयरी इंडस्ट्री की भूमिका।

स्कूल प्रबंधन का आभार संदेश

स्कूल के अध्यक्ष गुरमेल सिंह मल्ही और प्रिंसिपल रमनजोत कौर ग्रेवाल ने वेरका मिल्क प्लांट के अधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे विद्यार्थियों के स्वागत और उनके मार्गदर्शन के लिए धन्यवाद के पात्र हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ऐसे शैक्षणिक दौरे बच्चों के सर्वांगीण विकास (Holistic Development) और उनकी वैज्ञानिक सोच को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

लोक मिलनी में सुनीं ग्रामीणों की समस्याएं, 67 परिवारों को मिले मालिकाना हक के प्रमाण पत्र

डेराबस्सी/यूटर्न/28 जुलाई। डेराबस्सी विधानसभा क्षेत्र में आयोजित लोक मिलनी कार्यक्रम के दौरान विधायक कुलजीत सिंह रंधावा ने गांव हरिपुर हिंदुओं और कूड़ांवाला के लोगों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को मौके पर ही शिकायतों के समाधान के निर्देश दिए और कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य लोगों को सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगाने के बजाय गांव स्तर पर ही राहत उपलब्ध कराना है। हरिपुर हिंदुओं में आयोजित कार्यक्रम के दौरान लाल लकीर के अंतर्गत आने वाले 67 परिवारों को पंजाब सरकार की 'मेरा घर मेरे नाम' योजना के तहत मालिकाना हक के प्रमाण पत्र वितरित किए गए। विधायक रंधावा ने कहा कि इस योजना से वर्षों से अपने घरों में रह रहे परिवारों को कानूनी स्वामित्व का अधिकार मिल रहा है, जिससे भविष्य में संपत्ति संबंधी विवाद भी कम होंगे।

लोक मिलनी के दौरान विधायक ने सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं और क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों की जानकारी भी ग्रामीणों के साथ साझा की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में सरकार गांव-गांव जाकर लोगों की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित कर रही है। कार्यक्रम के दौरान हरिपुर हिंदुओं के मुस्लिम समुदाय से जुड़े शहाबुद्दीन ने आम आदमी पार्टी की नीतियों से प्रभावित होकर पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। विधायक रंधावा ने उनका स्वागत करते हुए कहा कि इससे पार्टी का जनाधार और मजबूत होगा। इस मौके पर गांव भगवासी की सरपंच ममता रानी, कूड़ांवाला की सरपंच गीता देवी, हलका यूथ कोऑर्डिनेटर गगनदीप सिंह, ब्लॉक प्रधान शमशेर सिंह, राकेश चौधरी, विभिन्न विभागों के अधिकारी तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

एफएसएल रिपोर्ट में फर्जी निकले हस्ताक्षर, फ्लैट बिक्री मामले में एफआईआर की सिफारिश

जीरकपुर/यूटर्न/28 जुलाई। भबात स्थित हाईलैंड पार्क टेरेसेस के फ्लैट नंबर-22ए की कथित फर्जी बिक्री के मामले में पुलिस जांच को बड़ा आधार मिला है। फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) की रिपोर्ट में फ्लैट की रजिस्ट्री के लिए इस्तेमाल किए गए अथॉरिटी लेटर पर किए गए हस्ताक्षर कंपनी निदेशकों के वास्तविक हस्ताक्षरों से मेल नहीं खाने की पुष्टि हुई है। रिपोर्ट मिलने के बाद पुलिस ने अपनी जांच वरिष्ठ अधिकारियों को भेजते हुए भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत आपराधिक मामला दर्ज करने की सिफारिश की है। यह मामला जीवीवी कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड के अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता रफी मोहम्मद की शिकायत पर सामने आया। शिकायत में आरोप लगाया गया कि कंपनी के पूर्व लायजनर भूपिंदर सिंह ने फर्जी अथॉरिटी लेटर तैयार कर 21 मई 2025 को कंपनी के स्वामित्व वाले फ्लैट की अमनदीप सिंह के नाम रजिस्ट्री करा दी, जबकि कंपनी ने उसे किसी भी अचल संपत्ति की बिक्री का अधिकार नहीं दिया था।

कंपनी का पक्ष... शिकायत के अनुसार भूपिंदर सिंह की नियुक्ति केवल सिंचाई परियोजना से जुड़े स्थानीय समन्वय कार्यों के लिए की गई थी। उसे न तो पावर ऑफ अटॉर्नी दी गई थी और न ही किसी संपत्ति की बिक्री का अधिकार। कंपनी का आरोप है कि 12 मई 2025 का जाली अथॉरिटी लेटर तैयार कर निदेशकों के फर्जी हस्ताक्षर किए गए और उसी के आधार पर फ्लैट की रजिस्ट्री करवा दी गई। कंपनी का यह भी कहना है कि बिक्री की कोई राशि उसके खाते में नहीं आई और फ्लैट पर आज भी उसका कब्जा है।

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, Printed by DB Corp LTD VPO Hamira, Distt Kapurthala-144601 (PB), Published by: House No 68, New Sarabha Nagar, VPO Daad, Ludhiana (PB) - 142022, Editor: Sandeep Sharma
तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आरबीएक्ट के तहत जिम्मेवार।
Contact - +91 9814295372